RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 304
दि. 08.03.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

'राष्ट्रपति का अपमान कर टीएमसी ने पार कीं सारी हदें...', पीएम मोदी ने ममता सरकार पर साधा निशाना

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीएमसी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रपति के साथ हुआ व्यवहार शर्मनाक है और यह लोकतंत्र तथा आदिवासी समुदाय के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है. दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने सिलीगुड़ी के फांसीदेवा पहुंची थीं, जहां तय प्रोटोकॉल के मुताबिक मुख्यमंत्री या कोई मंत्री मौजूद नहीं था और कार्यक्रम का स्थल भी छोटा होने के कारण कई लोग शामिल नहीं हो सके, जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई.

पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि राष्ट्रपति के साथ व्यवहार शर्मनाक था.

पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में प्रोटोकॉल विवाद को लेकर सियासत तेज हो गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 'राष्ट्रपति के साथ हुआ व्यवहार बेहद शर्मनाक है'. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो भी लोकतंत्र और आदिवासी समुदाय के सशक्तिकरण में विश्वास रखता है, वह इस घटना से दुखी है.

पीएम मोदी ने अपने ट्वीट में लिखा, 'यह बहुत शर्मनाक घटना है. जो लोग भी लोकतंत्र और आदिवासी समुदाय के सशक्तिकरण में विश्वास रखते हैं, वे इससे आहत और निराश हैं. राष्ट्रपति, जो खुद आदिवासी समुदाय से आती हैं, उन्होंने जो पीड़ा और दुख व्यक्त किया है, उससे देश के लोगों के मन में भी गहरा दुख पैदा हुआ है.' प्रधानमंत्री ने कहा, 'पश्चिम बंगाल की टीएमसी सरकार ने इस मामले में सारी हदें पार कर दी हैं. राष्ट्रपति के इस अपमान के लिए राज्य का प्रशासन जिम्मेदार है. यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि संथाल संस्कृति जैसे महत्वपूर्ण विषय को पश्चिम बंगाल सरकार ने इतनी लापरवाही से लिया.' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का पद राजनीति से ऊपर होता है और इस पद की गरिमा का हमेशा सम्मान होना चाहिए. उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल सरकार और टीएमसी इस मामले में समझदारी से काम लेगी.'

राष्ट्रपति ने जाहिर की नाराजगी

दरअसल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 9वें अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी महकमा परिषद के फांसीदेवा क्षेत्र पहुंची थीं. राष्ट्रपति ने इस बात पर नाराजगी और दुख जताया कि तय प्रोटोकॉल के अनुसार उन्हें रिसीव करने के लिए मुख्यमंत्री या राज्य का कोई मंत्री मौजूद नहीं था. हालांकि उन्होंने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इससे कोई आपत्ति नहीं है.

कार्यक्रम के बाद उन्होंने कॉन्फ्रेंस के लिए तय किए गए स्थान को लेकर नाराजगी जाहिर की. राष्ट्रपति ने कहा कि कार्यक्रम के लिए जो जगह तय की गई थी वह काफी छोटी थी, जिसके

कारण बड़ी संख्या में संथाल समुदाय के लोग कार्यक्रम में शामिल नहीं हो पाए. उन्होंने बताया कि उस जगह पर पांच हजार लोगों के लिए भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी.

कार्यक्रम स्थल के आकार से नाराज हुईं राष्ट्रपति मुर्मू

कॉन्फ्रेंस के बाद राष्ट्रपति एक अन्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विधाननगर मैदान पहुंचीं. वहां मैदान का आकार देखकर उन्होंने आश्चर्य जताया और कहा कि यह मैदान काफी बड़ा है और यहां लाखों लोग आ सकते हैं. उन्होंने कहा कि अगर अंतरराष्ट्रीय संथाल कॉन्फ्रेंस का आयोजन इसी मैदान में किया जाता तो करीब पांच लाख लोग इसमें शामिल हो सकते थे. राष्ट्रपति ने सवाल उठाया कि जब इतना बड़ा मैदान उपलब्ध था तो फिर कार्यक्रम के लिए इतनी छोटी जगह क्यों चुनी गई.

ममता बनर्जी ने क्या कहा?

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी उनके लिए छोटी बहन की तरह हैं और वह उन्हें बहन की तरह ही प्यार करती हैं. उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ममता उनसे नाराज हैं, लेकिन इसके बावजूद यह समझ में नहीं आता कि अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस के लिए इतनी छोटी जगह क्यों दी गई. राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे उन्हें छोटे मैदान में कार्यक्रम में बुलाकर जल्द वापस भेजने की व्यवस्था की गई हो.

'कार्यक्रम, आयोजकों या फंडिंग की कोई जानकारी नहीं'

इस मामले पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में एक धरना स्थल से बोलते हुए कहा, 'मुझे यह कहते हुए शर्म आ रही है कि राष्ट्रपति को बीजेपी ने अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए भेजा है. राष्ट्रपति बीजेपी की राजनीति में फंस गई हैं.' ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य सरकार इस कॉन्फ्रेंस की आयोजक नहीं थी और उन्हें इस कार्यक्रम, आयोजकों या फंडिंग के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. उन्होंने कहा कि जब राष्ट्रपति राज्य में आती हैं या जाती हैं, तभी उन्हें आधिकारिक सूचना मिलती है.

ममता बनर्जी ने कहा, 'जब मणिपुर, राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में आदिवासियों पर अत्याचार हुए, तब राष्ट्रपति ने क्यों आवाज नहीं उठाई. पश्चिम बंगाल में आदिवासी समुदाय के विकास के लिए कई काम किए गए हैं, लेकिन उनकी जानकारी राष्ट्रपति को नहीं है.'

उन्होंने कहा, 'हम राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं. अगर आप 50 बार आएं तो हर बार कार्यक्रम में शामिल होना संभव नहीं है. मैं इस समय धरने पर बैठी हूं. मुझे इस कार्यक्रम, इसके आयोजकों या फंडिंग के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. अगर आप साल में एक बार आएंगी तो मैं आपका स्वागत कर सकती हूं, लेकिन अगर आप चुनाव के समय आएंगी तो मेरे लिए आपके कार्यक्रमों में शामिल होना संभव नहीं होगा, क्योंकि उस समय मैं लोगों के अधिकारों की लड़ाई में व्यस्त रहती हूं.'

ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि चुनाव से पहले बंगाल को बांटने की राजनीति की जा रही है और राष्ट्रपति शासन लगाने की साजिश रची जा रही है.

टी 20 वर्डकप फाइनल से पहले दो एयरलाइंस ने अहमदाबाद के लिए शुरू की स्पेशल फ्लाइल,

आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल से पहले अहमदाबाद की फ्लाइट की डिमांड अचानक बढ़ गई है। इसे देखते हुए, एयर इंडिया एक्सप्रेस और अकासा एयर ने 8 मार्च से पहले अहमदाबाद शहर के लिए स्पेशल फ्लाइट शुरू करने का ऐलान किया है।

ये एयरलाइंस क्रिकेट प्रशंसकों की बढ़ती यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अतिरिक्त क्षमता जोड़ रही हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद से अहमदाबाद के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की। एक आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार, "इन उड़ानों को शहर की यात्रा की मांग में आई तेजी के जवाब में निर्धारित किया गया है।

क्योंकि देश भर के प्रशंसक बहुप्रतीक्षित मैच में शामिल होने की योजना बना रहे हैं।"

अहमदाबाद में फाइनल देखने पहुंचेंगे पीएम मोदी? सवा लाख दर्शकों के साथ बढ़ाएंगे टीम का हौसला!

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 के खिताबी मुकाबले से अब सिर्फ एक कदम दूर है। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए बेहद रोमांचक सेमीफाइनल में इंग्लैंड को 7 रनों से मात देकर सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने फाइनल में जगह बनाई है। अब रविवार यानी 8 मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत का सामना न्यूजीलैंड से होगा।

भारतीय टीम इस समय बेहतरीन लय में दिखाई पड़ रही है। पिछले दो आईसीसी टूनार्मेंट जीतने के बाद भारत के पास आईसीसी खिताबों की हैट्रिक पूरी करने का बेहतरीन अवसर है। आधुनिक क्रिकेट के दौर में अब तक कोई भी टीम यह कारनामा नहीं कर सकी है। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने दिखाया कि दबाव की स्थितियों में उनका गेंदबाजी और बल्लेबाजी क्रम किस कदर संतुलित है। अब केवल न्यूजीलैंड की चुनौती भारत और ट्रॉफी के बीच खड़ी है।

अहमदाबाद के स्टेडियम में होने वाले इस महामुकाबले को लेकर एक बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टैंड्स में मौजूद रहेंगे? साल 2023 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल के दौरान प्रधानमंत्री स्टेडियम में उपस्थित थे, लेकिन इस बार स्थितियां कुछ अलग नजर आ रही हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री की उपस्थिति की संभावनाएं फिलहाल कम हैं।

सरकार वर्तमान में पश्चिम एशिया में चल रही तनावपूर्ण राजनीतिक स्थितियों की बारीकी से निगरानी कर रही है, जो उनके कार्यक्रम को प्रभावित कर सकती है। रविवार को प्रधानमंत्री दिल्ली में लगभग 33,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

इसमें दिल्ली मेट्रो के पिंक और मजेंटा लाइन के नए कॉरिडोर समेत करीब 18,300 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स और सरकारी आवासीय कॉलोनियों (सरोजिनी नगर, नेताजी नगर आदि) के पुनर्विकास की योजनाएं शामिल हैं।

रविवार को मैदान पर मुकाबला जोरदार होने की उम्मीद है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आईसीसी नॉकआउट मैचों का इतिहास हमेशा रोमांचक रहा है।

हादसे की जांच की मांग पर केजरीवाल से मिले रोहित पवार, DGCA पर लगाए आरोप

अजित पवार के विमान हादसे को लेकर अटकलों और दावों का दौर जारी है। दिवंगत नेता के भतीजे और एनसीपी (NCP-SP) विधायक रोहित पवार ने निष्पक्ष जांच की मांग लगातार कर रहे हैं। उन्होंने शनिवार (7 मार्च) को दिल्ली में आप संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में राहुल गांधी से भी मिलेंगे और विपक्ष के कई और नेताओं से इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे। रोहित पवार ने मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि विमान हादसे से जुड़ी सारी जानकारी मैंने अरविंद केजरीवाल जी को दी है।

ट्रम्प का मर्डर प्लान करने वाला दोषी करार, ईरान-पाकिस्तान से निकला बड़ा कनेक्शन, कैसे हुआ खुलासा?

(जीएनएस)।

अमेरिका में एक बड़े क्रिमिनल केस में पाकिस्तानी कारोबारी आसिफ मर्चेंट को अमेरिकी राजनेता की हत्या की साजिश रचने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी अदालत ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मर्चेंट ने भाड़े के हत्यारों को काम पर रखने की कोशिश की थी। इस केस में ईरान से जुड़े गंभीर साजिश के आरोप भी सामने आए हैं।

ईरान युद्ध के बीच सामने आया बड़ा खुलासा

मध्यपूर्व में बढ़ते तनाव और क॰ल्ल से जुड़े युद्ध के माहौल के बीच मर्चेंट ने अमेरिकी अदालत में कबूल किया कि उसने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान एक हत्या की योजना बनाई थी। हालांकि अमेरिकी जांच एजेंसियों ने इस साजिश को समय रहते पकड़ लिया और इसे अंजाम तक पहुंचने से पहले ही नाकाम कर दिया। लोग अब इसे अमेरिका ईरान युद्ध से जोड़कर देख रहे हैं।

ब्रुकलिन की जूरी ने सुनाया फैसला

जूरी ने मर्चेंट को आतंकवाद और भाड़े की हत्या की साजिश से जुड़े आरोपों में दोषी पाया। इस मामले की सुनवाई करीब एक सप्ताह तक चली, जिसमें मर्चेंट ने खुद भी अदालत में गवाही दी। अब उसे इस अपराध के लिए आजीवन कारावास तक की सजा मिल सकती है।

ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़ा मर्चेंट?

मर्चेंट ने जूरी को बताया कि वह Islamic Revolutionary Guard Corps यानी IRGC के एक अधिकारी के निर्देशों पर काम कर रहा था। उसी व्यक्ति ने उसे कई तरह के काम सौंपे थे, जिनमें काउंटर-सर्विलांस ट्रेनिंग और हत्या की योजना बनाना भी शामिल था। मर्चेंट को पाकिस्तान में ट्रेनिंग देने और ईरान की तरफ से फंडिंग का भी दावा किया गया था।

हिट लिस्ट में थे ये नेता?

मर्चेंट के मुताबिक बातचीत के दौरान अमेरिका के उस समय के राष्ट्रपति पद के दावेदारों Donald Trump, Joe Biden और Nikki Haley के नाम सामने आए थे। हालांकि यह साफ नहीं हुआ कि असली टारगेट कौन था।

हरिद्वार से अमित शाह का शंखनाद, बंगाल और तमिलनाडु में बनेगी भाजपा सरकार, देवभूमि में भी लगेगी हैट्रिक

(जीएनएस)।

गृहमंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के हरिद्वार से 2027 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया है। अमित शाह ने जनता से तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का आह्वान किया है। अमित शाह ने मंच से भाजपा के 9 साल के कार्यकाल पूरे होने का जिक्र करते हुए त्रिवेंद्र सिंह रावत और पुष्कर सिंह धामी दोनों सरकारों का जिक्र किया।

शाह ने कहा कि त्रिवेंद्र सिंह व धामी सरकार ने उत्तराखंड की सेवा की है। तीसरी मौका दें। छोटे राज्यों की श्रेणी में देवभूमि को एक नंबर पर ले जाएंगे। अमित शाह ने युवा और कार्यकताओं में जोश भरने का काम किया। उन्होंने नारे लगवाए और कहा कि दिल्ली तक आवाज जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि 2024 में मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने। 24 में ही उड़ीसा में पहली बार भाजपा का सीएम बना। हरियाणा और महाराष्ट्र में हैट्रिक लगाकर तीसरी बार सरकार बनाई। 2025 में दिल्ली में आप का सूपड़ा साफ किया और बिहार में दो तिहाई से सरकार बनाई। केरल के त्रिवेंद्र में पहली बार भाजपा का भगवा

लहराया। 2026 में बंगाल और तमिलनाडु में भाजपा की सरकार होगी। 2027 का उद्घाटन देवभूमि उत्तराखंड से होगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की जमकर तारीफ की

'धामी सरकार के 4 साल बेमिसाल' कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जमकर तारीफ की। उन्होंने यूसीसी से लेकर, नकल विरोधी कानून और अतिक्रमण के खिलाफ धामी के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि धामी ने अपने कार्यकाल में चुन चुन कर समस्याओं का समाधान किया है। अमित शाह ने कहा कि 2027 में कुंभ भी होना है, जिसे सरकार शानदार तरीके से सम्पन्न कराएगी। साथ ही 27 में चुनाव भी है, जिसमें भाजपा हैट्रिक बनाएगी और फिर से पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। अमित शाह ने हरिद्वार से राहुल गांधी और पूर्व सीएम हरीश रावत पर भी जमकर हमला बोला।

2027 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया

अमित शाह ने हरिद्वार से ही 2027 के विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया। भाजपा हरिद्वार से ही चुनाव का श्रीगणेश करना चाहती है। यहां 2022 में भाजपा 11 में से सिर्फ 3 सीटों पर ही चुनाव जीत पाई थी। धामी मंत्रिमंडल में हरिद्वार का प्रतिनिधित्व भी नहीं है।

जबकि हरिद्वार पहाड़ और मैदान को जोड़ने के साथ ही सनातन का केंद्र भी है। हरिद्वार देश ही नहीं विदेश में भी करोड़ों हिंदूओं की आस्था का केंद्र है। ऐसे में भाजपा ने हरिद्वार को ही चुना है।

सीएम योगी की मां पर मौलाना अब्दुल्ला सलीम 'चतुर्वेदी' का भड़काऊ बयान, अपर्णा यादव ने उधेड़ दी बखिया

(जीएनएस)।

सोशल मीडिया पर बिहार के एक मौलाना का कथित वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मौलाना अब्दुल सलीम चतुर्वेदी लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने CM योगी आदित्यनाथ की मां और गाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों में काफी नाराजगी देखी जा रही है और इसको लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है।

उट योगी की मां पर की अभद्र टिप्पणी

वायरल वीडियो में आरोप लगाया जा रहा है कि मौलाना अब्दुल्ला सलीम 'चतुर्वेदी' ने गौ माता का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी की। इसके अलावा यह भी दावा किया जा रहा है कि उन्होंने सीएम योगी की माता का नाम लेकर भी अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

सोशल मीडिया पर फूटा लोगों का गुस्सा

वीडियो सामने आने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने इन बयानों पर कड़ी आपत्ति जताई है। सोशल मीडिया यूजर्स लगातार इस मामले की आलोचना कर रहे हैं और कई लोग प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग भी कर रहे हैं।

सामाजिक संगठनों ने भी जताई नाराजगी

स्थानीय नागरिकों और कई सामाजिक संगठनों का कहना है कि किसी भी धर्म या आस्था का अपमान करना गलत है। उनका मानना है कि ऐसे बयान समाज में तनाव बढ़ा सकते हैं और इससे साम्प्रदायिक माहौल भी प्रभावित हो सकता है।

प्रशासनिक कार्रवाई का इंतजार

फिलहाल यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग इस मामले में प्रशासन की संभावित कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि मामले की जांच के बाद उचित कदम उठाए जाएंगे।

छात्र नेता सिद्धार्थ अवधूत को राहत, पटियाला हाउस कोर्ट ने दिया रिहाई का आदेश

दिल्ली में आयोजित एआई इंपैक्ट समिट के दौरान गिरफ्तार हुए सिद्धार्थ अवधूत को राहत मिली है। विवादित विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामले में छात्र नेता को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पटियाला हाउस कोर्ट ने इस केस के आरोपी सिद्धार्थ अवधूत को जेल से रिहा करने का आदेश दिया है। अदालत ने उन्हें 5 मार्च को जमानत दे दी थी, जिसके बाद अब उनकी रिहाई की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।

सिद्धार्थ अवधूत को हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित एक रिसॉर्ट से गिरफ्तार किया गया था।

केरल विधानसभा चुनाव से पहले राहुल गांधी ने कांग्रेस की पांच गारंटी योजना का किया ऐलान, किन्हें होगा फायदा?

(जीएनएस)।

केरल में पिछले एक दशक से विपक्ष में रही कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव तरीखों के ऐलान से पहले ही अपने चुनावी अभियान की शुरूआत कर दी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तिरुवनंतपुरम में 'पुथुयुग यात्रा' के समापन समारोह में केरल के लिए पांच महत्वपूर्ण गारंटी योजनाओं की घोषणा की।

राहुल गांधी ने दावा किया इन पांच वादों को यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (वड्ऊ) के सत्ता में आने पर ही लागू किया जाएगा।

सभी महिलाओं को फ्री बस यात्रा की सुविधा

इन योजनाओं में केएसआरटीसी बसों में सभी महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और कॉलेज जाने वाली छात्राओं को हर महीने ₹1,000 की वित्तीय सहायता प्रदान

करना शामिल है। कल्याणकारी पेंशन ₹3,000 प्रति माह की जाएगी राहुल धी ने यह भी बताया कि कल्याणकारी पेंशन की राशि बढ़ाकर ₹3,000 प्रति माह की जाएगी, जिससे पात्र लाभार्थियों को राहत मिलेगी।

25 लाख फ्री इलाज वाली हेल्थ बीमा पॉलिसी

इसके अलावा पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नाम पर एक स्वास्थ्य बीमा योजना लाई जाएगी, जिसके तहत प्रत्येक परिवार को ₹25 लाख तक का व्यापक कवरेज मिलेगा।

₹5 लाख तक के ब्याज-मुक्त ऋण

कांग्रेस नेता ने छोटे व्यवसायों के लिए युवाओं को ₹5 लाख तक के ब्याज-मुक्त ऋण का भी वादा किया।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समर्पित सरकारी विभाग

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए एक समर्पित एक विभाग होगा और एक मंत्री नियुक्त होगा!

सम्पादकीय

नीतिश की राजनीतिक विरासत कौन संभालेगा

किस दवाब में झुके नीतीश : भाजपा खुश, विपक्ष हैरान, नीतीश चाहते तो देश में सर्वाधिक दिन तक मुख्यमंत्री बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर सकते थे। लेकिन इस उपलब्धि से चूक क्यों गए ? इसका जवाब तो नीतीश ही दे सकते हैं। फिलहाल, देश में सबसे अधिक दिनों 24 वर्ष 166 दिन मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड सिक्किम के पवन वुमार चामलिंग के नाम है। किस दवाब में झुके नीतीश : भाजपा खुश, विपक्ष हैरान समाज को चौंकाते रहना समाजवादियों का शगल रहा है। नीतीश वुमार भी समाजवादी विचारधारा से ही आते हैं। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश वुमार ने होली के दूसरे दिन बिहार और देश के लोगों को पहली बार चौंकाया है। वह पहले भी चौंकाते रहे हैं। कभी अपने धुर विरोधी लालू प्रसाद यादव के महागठबंधन से हाथ मिलाकर सत्ता सुख भोगने के लिए, तो कभी भाजपा और एनडीए के साथ गठबंधन करके। अपने इसी हुनर के कारण नीतीश करीब साढ़े 19 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं। इसीलिए विरोधी उन्हें वुसा वुमार भी कहते हैं। लेकिन, इन सब के बीच यह कहना गलत नहीं होगा कि नीतीश वुमार की स्वीकार्यता पक्ष-विपक्ष दोनों में तीन दशक से बनी हुई है। सही मायनों में नीतीश पिछले दो दशकों से बिहार की सत्ता की धुरी रहे हैं। फिलहाल, बिहार में सबवुछ ठीक चल रहा था। 2025 में हुए विधानसभा चुनाव में एनडीए को उम्मीद से अधिक वोट और सीटें मिली थीं। वुल 243 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए को 202 सीटें मिली थीं। नीतीश वुमार 10 वीं बार 20 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लिये थे। बिहार के लिए यह नया उदाहरण है। लेकिन अचानक होली के दूसरे दिन नीतीश वुमार ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर पक्ष-विपक्ष समेत बिहार के आम अवाम को चौंका दिया। अपने ट्वीट संदेश में नीतीश ने लिखा कि 'दो दशक से अधिक समय से आपने मेरे साथ लगातार विश्वास और समर्थन बनाये रखा। इसकी ही ताकत थी कि बिहार आज विकास और सम्मान का नया आयाम प्रस्तुत कर रहा है। संसदीय जीवन शुरू करने के समय से ही इच्छा थी कि बिहार विधानमंडल के दोनों सदनों के साथ संसद के दोनों सदनों का भी सदस्य बनूं। इसी क्रम में राज्यसभा सदस्य बनना चाह रहा हूं। बिहार की नई सरकार को मेरा पूरा समर्थन रहेगा।' और फिर तीन घंटे के भीतर उन्होंने केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए पर्चा दाखिल कर दिया। नीतीश वुमार के इस फैसले से जनता दल (यूनाईटेड) के कार्यकर्ताओं में गुस्से की लहर दौड़ गई। राज्यभर में विरोध-प्रदर्शन होने लगे। कार्यकर्ता इसे भाजपा की चाल में नीतीश को फंसाने, पाटा के भी वुछ बड़े नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने और जनमत का अपमान बताने लगे। उन्होंने पटना स्थित पाटा कार्यालय में तोड़फोड़ भी की और नीतीश से अपना फैसला वापस लेने की मांग करने लगे। उनका कहना था कि मतदाताओं ने नीतीश के नाम पर वोट किया था। यह फैसला मतदाताओं की अनदेखी है। नाराज जदयू कार्यकर्ताओं ने जदयू दफ्तर में लगे प्रधानमंत्री के पोस्टर पर कालिख पोत दी। नाराजगी सिर्फ कार्यकर्ताओं में ही नहीं है। जदयू के श्याम रजक, विनय चौधरी समेत कई विधायक नीतीश के इस फैसले से इत्तेफाक नहीं रखते। विधायक अनिल चौधरी तो खुलकर कहते हैं कि साढ़े तीन महीने में आखिर ऐसा क्या हो गया कि मुख्यमंत्री को ऐसा निर्णय लेना पड़ा। जदयू एमएलसी नीरज वुमार कहते हैं कि जदयू के कार्यकर्ताओं को दुख है। जिन लोगों ने हमें वोट नहीं दिया वे भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब सीएम ने बिहार छोड़कर दिल्ली जाने का फैसला किया है। लेकिन पाटा ने जिनको जिम्मेदारी दी है, उनके सामने यह सवाल है कि अब राजनीतिक विरासत कौन संभालेगा? नीतीश वुमार को अगर किसी समस्या के बारे में पता चलता था तो वो तुरंत एक्शन लेते थे। अब यह कौन करेगा? उधर, नीतीश की इस चाल से विपक्ष की बोलती बंद हो गई है। उनकी रही-सही उम्मीदों पर ओले गिर गए। विपक्ष के नेता भले ही नीतीश वुमार को वुछ वर्षों से 'पलटूराम' कहा करते थे लेकिन उनके मन में हमेशा यह बात रहती थी कि नीतीश कभी न कभी भाजपा के दबाव से ऊबकर उनके साथ आ सकते हैं। लेकिन इस बार नीतीश ने कोई मौका नहीं दिया।

वो गाना जिसने बालेन शाह को पहुंचा दिया पीएम की कुर्सी तक! आखिर क्या था उस संगीत में?

(जीएनएस)। नेपाल की राजनीति में इस वक्त एक ही नाम की गूंज है, बालेन शाह। गुरुवार को हुए ऐतिहासिक मतदान के बाद आए शुरूआती रुझानों ने सबको चौंका दिया है। काठमांडू के पूर्व मेयर और मशहूर रैपर बालेन शाह की पार्टी, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (फ्रढ), भारी बहुमत की ओर बढ़ रही है। यह चुनाव नेपाल के उस त्रील्ल- विद्रोह का नतीजा है, जिसने पुरानी सत्ता की जड़ें हिला दी थीं और पूरे राजनीतिक ढांचे को हिलाकर रख दिया था।

बालेन शाह का एक मशहूर रैपर से राजनेता बनने तक का सफर किसी फिल्मी पटकथा जैसा है। उनके संगीत ने न केवल मनोरंजन किया, बल्कि समाज की गहरी कुंठाओं और व्यवस्था के प्रति युवाओं के गुस्से को आवाज दी। आज बालेन शाह सिर्फ एक गायक नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन का सबसे बड़ा चेहरा बनकर उभरे हैं। आइए जानते हैं उनके उस सबसे पॉपुलर गाने के बारे में, जिसने नेपाल में सत्ता परिवर्तन की जमीन तैयार कर दी।

'बलिदान' गानाः सत्ता परिवर्तन की नींव

बालेन शाह के राजनैतिक उदय की सबसे बड़ी वजह उनका करीब 6 साल पुराना गाना 'बलिदान' रहा है। इस गाने ने नेपाली युवाओं के भीतर दबे उस आक्रोश को जुबान दी, जो वे दशकों से पुरानी पीढ़ी के नेताओं के खिलाफ महसूस कर रहे थे। यूट्यूब पर 12 मिलियन से ज्यादा बार देखे गए इस गाने ने बालेन को रातों-रात एक ऐसे क्रांतिकारी के रूप में स्थापित कर दिया, जो सीधे सिस्टम की आंखों में आंखें डालकर सच बोलने का दम रखता था।

भ्रष्टाचार और सिस्टम पर सीधा प्रहार

इस गाने की लोकप्रियता का मुख्य कारण इसके तीखे बोल थे। बालेन ने अपने रैप के जरिए भ्रष्टाचार, गरीबी

और राजनीतिक अन्याय पर सीधा हमला किया। गाने के बोल जैसे, "नेता देश लूट रहे हैं और कानून को खिलौना बना दिया गया है" जनता के दिलों में उतर गए। 2020 के आसपास रिलीज हुए इस ट्रैक ने युवाओं को यह अहसास कराया कि बालेन सिर्फ एक कलाकार नहीं, बल्कि उनकी समस्याओं को समझने वाला एक जमीन से जुड़ा हुआ नेता है।

आंदोलन का एंथमः 'नेपाल हसेको'

2025 के हिंसक विद्रोह के दौरान बालेन का एक और गाना 'नेपाल हसेको' (नेपाल मुस्कुरा रहा है) पूरे देश का एंथम बन गया। इस गाने ने करीब 10 मिलियन से ज्यादा लोगों को प्रभावित किया और बिखरे हुए युवाओं को एक मंच पर लाने का काम किया। इस गीत ने संदेश दिया कि पुराने दौर की राजनीति को उखाड़ फेंकना जरूरी है ताकि नेपाल फिर से खुशहाल हो सके। इसी जुड़ाव ने 'नेफॉप' कलाकार को एक सक्रिय राजनेता में बदल दिया।

यूट्यूब बैटल से राजनीति के अखाड़े तक

बालेन शाह की पहचान 2013 में यूट्यूब बैटल रैप सीरीज 'रॉ बार्ज' से शुरू हुई थी। अंडरग्राउंड हिप-हॉप कम्युनिटी से निकलकर उन्होंने 'सैवेज' और 'आम नेपाली बुवा' जैसे गानों के जरिए आम आदमी की आवाज बुलंद की। एक स्वतंत्र मेयर के रूप में काठमांडू में उनके ठोस कामकाज और उनके प्रभावशाली संगीत ने उन्हें पारंपरिक राजनेताओं से मीलों आगे खड़ा कर दिया, जो आज उन्हें प्रधानमंत्री की कुर्सी के बेहद करीब ले आया है।

आंधी में उड़ी पुरानी पार्टियां, बालेन शाह-रवि लामिछाने को मिला युवाओं का साथ

युवाओं की उम्मीद और नया विजन

नेपाल के मौजूदा रुझान साफ करते हैं कि जनता अब पुराने वादों से ऊब चुकी है। 'जेन-जी' मतदाताओं के लिए बालेन शाह एक ऐसी उम्मीद हैं, जो उनकी भाषा में बात करता है और आधुनिक विजन रखता है। संगीत के जरिए शुरू हुआ उनका यह सफर अब नेपाल के इतिहास में एक नया अध्याय लिखने जा रहा है। बालेन का प्रधानमंत्री बनना दुनिया भर के लिए एक मिसाल होगा कि कैसे कला और आक्रोश मिलकर लोकतंत्र को नई दिशा दे सकते हैं।

कौन हैं बालेन शाह की पत्नी सबीना काफ्ले? बेहद फिल्मी है 'फर्स्ट लेडी' की लव स्टोरी

नेपाल की राजनीति में मचे महा-संग्राम और 'बालेन क्रांति' के बीच, हर किसी की जुबान पर एक ही नाम है बालेंद्र शाह (इं ील्लरि रैं)। 'राष्ट्रिय स्वतंत्र पार्टी' (फ्रढ) की ऐतिहासिक जीत ने बालेंद्र शाह को देश का सबसे कद्दावर युवा नेता बना दिया है।

नेपाल के अगले संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उभर रहे बलेन की राजनीतिक सफलता के पीछे एक मजबूत स्तंभ उनकी पत्नी सबीना काफ्ले

अक्सर लाइमलाइट से दूर रहने वाली सबीना और बलेन की प्रेम कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। सोशल मीडिया से शुरू हुआ यह सफर आज देश की सत्ता के शिखर तक पहुंच गया है। कौन हैं सबीना काफ्ले?

सबीना काफ्ले नेपाल की जानी-मानी कवयित्री और लेखिका हैं। उन्होंने नोबल कॉलेज से पब्लिक हेल्थ की पढ़ाई की है। सबीना ने 'दीपालता' नाम का एक उपन्यास भी लिखा है, जो काफी चर्चित रहा। वह एक स्थापित कवयित्री और उपन्यासकार हैं।

उनके लेखन में अक्सर प्यार, जीवन और भावनाओं से जुड़ी गहरी बातें देखने को मिलती हैं। सबीना मुख्य रूप से प्रेम, जीवन और मानवीय भावनाओं पर भावुक और अर्थपूर्ण लेखन के लिए प्रसिद्ध हैं। उनकी संवेदनशील लेखन शैली और रचनात्मक सोच ही वह चीजें थीं, जिन्होंने बालेन शाह को सबसे ज्यादा प्रभावित किया।

ऑनलाइन चैट्स और कविताओं से शुरू हुआ प्यार

बलेन और सबीना की प्रेम कहानी डिजिटल युग की एक खूबसूरत मिसाल है। सबीना काफ्ले एक लेखिका और कवयित्री हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी प्रेम कविताएं साझा किया करती थीं।

पेशे से रैपर और गीतकार बलेन शाह सबीना के शब्दों और उनकी रचनात्मकता से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने खुद उनसे संपर्क किया। धीरे-धीरे बातों का सिलसिला शुरू हुआ और यह दोस्ती प्यार में बदल गई।

2017 में हुई थी पहली मुलाकात और शादी

सालों तक ऑनलाइन बात करने के बाद, यह जोड़ा पहली बार साल 2017 में एक साहित्यिक कार्यक्रम में मिला। बलेन को सबीना का सरल स्वभाव और रचनात्मक व्यक्तित्व बेहद पसंद आया। लगभग एक साल के डेटिंग के बाद, फरवरी 2018 में दोनों ने एक सादे निजी समारोह में परिवार की मौजूदगी में शादी कर ली। साल 2023 में इस कपल के जीवन में एक नन्ही परी (बेटी) का आगमन हुआ, जिससे उनका परिवार पूरा हुआ।

राजनीतिक सफर और सबीना का साथ

बलेन शाह का करियर एक रोलर-कोस्टर राइड जैसा रहा है। उन्होंने एक रैपर के रूप में शुरूआत की, फिर कंस्ट्रक्शन बिजनेस संभाला और 2022 में काठमांडू के मेयर का चुनाव एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतकर पूरी दुनिया को चौंका दिया। आज वह नेपाल के युवाओं के लिए 'परिवर्तन के मसीहा' बन चुके हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सबीना ने बलेन के कठिन समय में उन्हें मानसिक संबल दिया और उनकी रचनात्मकता को राजनीति में एक विजन के रूप में ढालने में मदद की। जैसे-जैसे चुनाव परिणाम बलेन शाह को प्रधानमंत्री की कुर्सी के करीब ला रहे हैं, सबीना काफ्ले की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी। नेपाल की जनता एक ऐसी 'फर्स्ट फैमिली' की उम्मीद कर रही है जो शिक्षित हो, कला प्रेमी हो और आधुनिक सोच रखती हो। बलेन और सबीना इस सांचे में पूरी तरह फिट बैठते हैं।

प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस नगरामी नदवी मदनी (रह): इल्म-ए-इस्लामी और अरबी अदब का एक दरख्शिंदा सितारा

आज जब प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस नगरामी नदवी मदनी (रह) की 25वीं बरसी है, हम एक ऐसे आलिम को याद कर रहे हैं जिसकी फिक्री खिदमात ने रवायती उलूम-ए-इस्लामिया को जदीद इल्मी मियार से हम आहंग किया। नगरामी खानदान के एक मोअज्ज़िज फर्द—जिसका सिलसिला-ए-नसब अमीरुल मोमिनीन हजरत अबूबक्र सिद्दीक (रज़ि) से मिलता है—प्रोफेसर यूनुस उस इल्मी वरसे के अमीन थे जो नगराम, लखनऊ में दो सदियों से जाइद अरसे से फरोग पा रहा था।

24 जुलाई 1941 को ज़िला लखनऊ के गांव नगराम के एक इल्मी घराने में पैदा होने वाले प्रोफेसर यूनुस एक मुमताज माहिर-ए-तालीम के तौर पर उभरे, जिन्होंने अरबी अदब, तहकीकात-ए-इस्लामी और हिंदुस्तान में आला तालीम की दुनिया पर इनमिट नुकूश छोड़े। तारीखी कस्बा नगराम से लेकर जामिया इस्लामिया मदीना मुनव्वरा के मुकद्दस दरवाजों तक और फिर लखनऊ यूनिवर्सिटी की राहदारियों तक का उनका सफर इल्मी जुस्तजू और रूहानी लगन की एक काबिल-ए-ज़िक्र दास्तान है।

इब्तिदाई ज़िंदगी और खानदानी पस-ए-मंजर

प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस मारूफ नगरामी खानदान में पैदा हुए, जो 19वीं सदी से इस्लामी इस्लाह और तालीम के मैदान में सबसे आगे रहने वाले उलमा का खानदान था। वह अपने वक़्त के मुमताज मुफस्सिर-ए-कुरआन हजरत मौलाना मोहम्मद उवैस नगरामी नदवी (रह) के फरजंद थे। उनके वालिद बुजुर्गवार मुफस्सिर-ए-कुरआन हजरत मौलाना मोहम्मद उवैस नगरामी नदवी (रह) अपने जमाने के जीद मुफस्सिरीन में से थे। उनके दादा मौलाना मोहम्मद अनीस नगरामी (रह) और परदादा मौलाना मोहम्मद इदरीस नगरामी (रह) भी इल्म-ए-इस्लामी के बुलंद पाया सुतून थे, जिन्होंने शेखुल हिंद हजरत मौलाना हुसैन अहमद मदनी (रह) और मौलाना अबुलकलाम आजाद (रह) जैसी नामवर शख्सियात के साथ मिलकर तहरीक-ए-आजादी हिंदुस्तान में भरपूर शिरकत की।

नगरामी घराना इल्म, इस्लाह और रूहानी ौिङ्क३ङ्खल्ल के माहौल में डूबा हुआ था। नौजवान मोहम्मद यूनुस ने नगराम में अपने आबाई घर और बाद में लखनऊ में नगराम हाउस में नामवर उलमा, सियासी रहनमाओं और मुस्लेहीन-ए-मुआशरत की आमद-ओ-रफ़्त का मुशाहिदा किया। इस माहौल ने उनकी फिक्री साख्त को ढाला और उनके अंदर उलूम-ए-इस्लामिया और मुस्लिम कम्युनिटी को दरपेश असरी मसाइल दोनों के लिए गहरी दिलचस्पी पैदा की।

उनके वालिद मौलाना मोहम्मद उवैस नगरामी (रह) न सिर्फ एक नामवर मुफस्सिर थे बल्कि एक मुस्लेह भी थे जिन्होंने 'शिर्क व बिदअत' और मुआशरे में राइज गलत रुसूमात के खिलाफ अंथक जद्दोजहद की। उन्होंने लखनऊ, सुल्तानपुर, रायबरेली, अमेठी और बाराबंकी में वसीअ पैमाने पर दौरे किए और हजारों घरों में इस्लाम की तालीमात पहुंचाईं। इस्लाह-ए-मुआशरत के इस अज्म ने नौजवान यूनुस पर गहरा असर डाला, और बाद में उन्होंने अपने इल्मी और समाजी कामों के जरिए इस वरसे को आगे बढ़ाया।

तालीमी सफरः नदवा से मदीना मुनव्वरा तक

प्रोफेसर यूनुस की बाकायदा तालीम दारुल उलूम नदवतुल उलमा, लखनऊ से शुरू हुई—जो बर्रे सगीर पाक-ओ-हिंद की मोतबर तरीन इस्लामी दर्सगाहों में से एक है। नदवा में उन्हें बीसवीं सदी के अजीम तरीन उलमा में से बअज से तालीम हासिल करने का एजाज हासिल हुआ। उनके बाअसर असातिजा में मुफक्किर-ए-इस्लाम हजरत मौलाना सैयद अबुल हसन अली हसनी नदवी (रह) शामिल थे, जो नदवा के माया-ए-नाज आलिम और रेक्टर थे। उनकी रहनुमाई ने कई दहाइयों तक प्रोफेसर यूनुस के फिक्री जाविया-ए-निगाह को ढाला।

उनकी इल्मी काबिलियत और अरबी जबान-ओ-अदब में गहरी दिलचस्पी ने उन्हें 1962 में सऊदी अरब की नौजाइदा जामिया इस्लामिया मदीना मुनव्वरा के पहले बैच में शामिल होने का मौका दिया। यह मौका उनकी ज़िंदगी का अहम मोड़ साबित हुआ। जामिया इस्लामिया मदीना मुनव्वरा में उन्हें अपने वक़्त के दुनिया के मशहूर तरीन उलमा से फैज हासिल करने की सआदत मिली, जिनमें शामिल हैं:

शेख अब्दुल अजीज बिन अब्दुल्लाह बिन बाज (रह), मुफ्ती-ए-आजम सऊदी अरब, जिन की हदीस और फिक्ह में माहिरत बेमिसाल थी

शेख मुहम्मद नासिरुद्दीन अल्बानी (रह), अजीम मुहद्दिस, जिन की दकीक तहकीक ने जदीद दौर में उलूम-ए-हदीस में इंकिलाब बर्पा कर दिया

शेख मोहम्मद नासिर अल-उबूदी (रह), नायब जनरल सेक्रेटरी राबिता अल-आलम अल-इस्लामी

नदवा से हासिल किए गए रवायती उलूम-ए-इस्लामिया और मदीना मुनव्वरा के इल्मी माहौल के इस अनोखे इम्तिजाज ने प्रोफेसर यूनुस को एक नादिर वसीउन्नजर अता किया। वह क्लासिकी उलूम-ए-इस्लामिया और जदीद इल्मी ्रिङ्क४१री दोनों में यकसाँ माहिरत रखते थे—एक खूबी जिसने बतौर प्रोफेसर और मुहक़्किक उनके बाद के काम को मुमताज किया।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में इल्मी सफर

हिंदुस्तान वापसी पर, प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने लखनऊ यूनिवर्सिटी के शोबा-ए-अरबी में शमूलियत इख्तियार की, जहाँ उन्होंने तीन दहाइयों से जाइद अरसा खिदमात अंजाम दीं। उनकी तकरुर्री एक शानदार इल्मी करियर का आगाज थी जिसमें वह शोबा-ए-अरबी के सदर के ओहदे तक पहुंचे।

बतौर प्रोफेसर, उन्होंने एक मुतहर्रिक और वक़्फ उस्ताद की शोहरत हासिल की जिसने बेशुमार तलबा को मुतासिर किया। उनका तरीका-ए-तदरीस सख्त मत्नी तज्जिया को वसीअ तर सियाक-ओ-सबाक की समझ के साथ जोड़ता था, और वह तलबा की हौसला अफजाई करते थे कि वह अरबी अदब को महज एक क्लासिकी जबान के तौर पर नहीं बल्कि असरी मुताबिकत रखने वाली एक ज़िंदा रिवायत के तौर पर देखें। उनके लेक्चर्स अपनी वजाहत, गहराई और मौजू के साथ उनके अयां जज्बे के लिए जाने जाते थे।

उनकी कयादत में लखनऊ यूनिवर्सिटी का शोबा-ए-अरबी फरोग पाया। उन्होंने नए कोर्सेज मुतआरिफ करवाए, मुतअद्दिद रिसर्च स्कॉलर्स की निगरानी की और तालीमी मियार बुलंद करने के लिए अंथक मेहनत की। उनके बहुत से तलबा खुद मुमताज उलमा बने और हिंदुस्तान और मशरिक-ए-वुस्ता में फैल गए।

प्रोफेसर यूनुस का अरबी सिखाने का तरीका जामे था। उनका मानना था कि जबान सीखने के साथ अरब दुनिया की सकाफत, तारीख और फिक्री रवायात की समझ भी होनी चाहिए। यह फलसफा उनके निसाब की तरक़्की और रिसर्च स्कॉलर्स की रहनुमाई का हिस्सा था। वह अपने तलबा की हौसला अफजाई करते थे कि वह क्लासिकी मुतून का मुताला करें और साथ ही असरी अरबी अदब-ओ-फिक्र से भी वाबस्ता रहें।

इल्मी और अदबी खिदमात

प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस एक काबिल-ए-कद्र मुसन्निफ थे जिन की तहरीरों ने अरबी और उर्दू दोनों अदब को माला-माल किया। उनकी इल्मी तखलीकात में मौजूआत का तनव्वु था—कुरआनी मुतालआत और इस्लामी तारीख से लेकर आलम-ए-इस्लाम को दरपेश असरी मसाइल तक। उनके काम दकीक तहकीक, वजाहत-ए-बयान और इस्लामी अकदार से गहरी वाबस्तगी के हामिल थे।

उनकी बअज नुमायां मत्बूआ तसानीफ दर्ज जैल हैं:

1. मिसाली खवातीन

यह सवानिही काम इस्लामी तारीख की मिसाली खवातीन के प्रोफाइल्स पर मुश्तमिल है, जिसमें इल्म, रूहानियत और इस्लाह-ए-मुआशरत में उनकी शिराकत को उजागर किया गया है। यह किताब मुस्लिम खवातीन के लिए मिशआल-ए-राह और इस्लाम में खवातीन की इल्मी खिदमात के अमीर वरसे की याद दहानी है।

2. खयालात

ईमान, मुआशरत और सकाफत के मुख़्तलिफ पहलुओं पर फिक्री मजामीन का मजमूआ। यह काम प्रोफेसर यूनुस की गौर-ओ-फिक्र करने वाली फितरत और पेचीदा नजरियात को काबिल-ए-फहम अंदाज में पेश करने की सलाहियत को जाहिर करता है।

3. तकद्दुस-ए-हज

खाना-ए-काबा की जियारत की रूहानी अहमियत और मजहबी जिहतों पर एक इल्मी तहकीक। यह काम क्लासिकी इल्म और असरी बसीरत को यकजा करता है, जो उलमा और आम कारईन दोनों के लिए यकसाँ मुफीद है।

4. तज़्किरा मौलाना मोहम्मद उवैस नगरामी

अपने वालिद मुफस्सिर-ए-कुरआन हजरत मौलाना मोहम्मद उवैस नगरामी (रह) की सवानिह उम्री। यह काम महज एक खानदानी खिराज-ए-तहसीन नहीं बल्कि बीसवीं सदी के एक अजीम मुफस्सिर-ए-कुरआन की ज़िंदगी और खिदमात की दस्तावेज के तौर पर इस्लामी सवानिही अदब में एक अहम इजाफा है।

5. अहकाम अल-कुरआन

कुरआनी फिक्ह पर एक इल्मी काम, जिसमें कुरआन मजीद से अखज किए गए कानूनी उसूलों का जाइजा लिया गया है।

पीएनबी ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2026

07 मार्च 2026: पंजाब नैशनल बैंक (ढठइ), देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के अवसर पर महिलाओं की उपलब्धियों, नेतृत्व और योगदान को सम्मानित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया।

पीएनबी के नई दिल्ली स्थित कॉरपोरेट कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेजर नीलू खन्ना और डॉ. दिनेश कंसल थीं। कार्यक्रम में पीएनबी के एमडी एवं सीईओ श्री अशोक चंद्र, कार्यपालक निदेशकगण- श्री एम. परमशिवम, श्री बिभु पी. महापात्र, श्री डी. सुरेंद्रन तथा श्री अमित कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा बैंक के वरिष्ठ अधिकारी और कार्मिक भी उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में महिलाओं के योगदान को समर्पित एक विशेष ऑडियो-विजुअल प्रस्तुति दिखाई गई, जिसमें महिलाओं के साहस, नेतृत्व और प्रभाव की प्रेरणादायक कहानियों को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का समापन बैंक के कार्मिकों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ, जो पीएनबी परिवार में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और समावेशिता की भावना को प्रदर्शित करता है।

सभा को संबोधित करते हुए श्री अशोक चंद्र, एमडी एवं सीईओ, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने समाज के निर्माण में महिलाओं और संस्थाओं दोनों की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा,'पिछले एक दशक में हमारे देश ने महिलाओं की प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए कई ऐतिहासिक पहलें देखी हैं, जिन्होंने महिला विकास की यात्रा में एक नए अध्याय का मार्ग प्रशस्त किया है। एक बैंक के रूप में यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम स्वयं सहायता समूहों और अन्य समुदायों से जुड़ी महिलाओं को वित्तीय सेवाओं तक सहज पहुँच सुनिश्चित करें, ताकि 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने में योगदान दिया जा सके। यह लक्ष्य तभी संभव है जब देश की महिलाएँ आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनें। पीएनबी महिलाओं के विकास के लिए संगठन के भीतर और बाहर निरंतर प्रतिबद्ध है। मैं यहाँ उपस्थित सभी महिलाओं से आग्रह करता हूँ कि वे एक-दूसरे का सहयोग एवं उत्थान करें और मजबूत समुदायों के निर्माण में उदाहरण प्रस्तुत करें।'

मुख्य अतिथि डॉ. दिनेश कंसल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा,'यह दिवस उन महिलाओं की प्रेरणादायक यात्रा का उत्सव है, जो अपनी शक्ति, दृढ़ता और संकल्प के माध्यम से बाधाओं को तोड़ते हुए समाज को नई दिशा दे रही हैं। इस वर्ष की थीम हमें याद दिलाती है कि जब हम महिलाओं को अवसर, मार्गदर्शन और वित्तीय सशक्तिकरण प्रदान करते हैं, तो हम पूरे समुदाय को आगे बढ़ाते हैं। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा समावेशन को बढ़ावा देने और महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता का समर्थन करने के लिए किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।'

मुख्य अतिथि मेजर नीलू खन्ना ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा,'आइए हम एक प्रसन्न और संतुलित मन पर ध्यान केंद्रित करते हुए शुरूआत करें, क्योंकि यही स्वस्थ शरीर की नींव है। यह दिवस हमें अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की याद दिलाता है। मुझे यह देखकर प्रसन्नता है कि पंजाब नैशनल बैंक महिलाओं के विकास और उन्नति के लिए अधिक अवसर प्रदान करते हुए एक समावेशी कार्यस्थल बनाने की दिशा में सार्थक पहल कर रहा है।'

कार्यक्रम के अंतर्गत पीएनबी प्रेरणा के सदस्यों—जो बैंक की वरिष्ठ महिला अधिकारियों तथा वरिष्ठ बैंक अधिकारियों की पत्नियों का एक संगठन है और बैंक की सीएसआर पहलों का सक्रिय रूप से सहयोग देता है—ने प्रोजेक्ट चेतना के बारे में जानकारी साझा की। इस पहल के तहत एनजीओ 'सच्ची सहेली' के सहयोग से दिल्ली सरकार के स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त बैंक ने उअढएऊ के साथ अपने सीएसआर सहयोग का भी उल्लेख किया, जिसके अंतर्गत दिल्ली-एनसीआर में वंचित महिलाओं के लिए गर्भाशय ग्रीवा, स्तन और मुख कैंसर के प्रति जागरूकता एवं स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम के दौरान, पीएनबी ने पीएनबी प्रेरणा की सदस्य प्रियंका प्रधान को पिछले पाँच वर्षों में मैराथन दौड़ में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए सम्मानित भी किया।

वैश्विक थीम 'त्र्री ३ङ्ग त्रील्ल' के अनुरूप यह विशेष कार्यक्रम लैंगिक समानता, वित्तीय समावेशन और महिलाओं के लिए अधिक अवसरों को बढ़ावा देने के प्रति पीएनबी की सतत प्रतिबद्धता को दशार्ता है—चाहे वह संगठन के भीतर हो या उन समुदायों में जिन्हें बैंक सेवा प्रदान करता है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

मुख्यमंत्री योगी के आने से पहले ही पुलिस ने दो दर्जन नेता और गोस्वामी किए नजरबंद : कांग्रेसी नेता ने कहा पुलिस-प्रशासन कर रहा लोकत्रांतिक अधिकारों का दमन

मथुरा(जीएनएस)। प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पुलिस के खुफिया विभाग ने विरोध की आशंका को समाप्त करने के लिए ऑपरेशन नजरबंद चलाकर विपक्षी दलों के नेताओं घरों में नजरबंद कर दिया। खुफिया विभाग को सूचना मिल रही थी कि कुछ संगठन, मथुरा भ्रमण पर आ रहे मुख्यमंत्री योगी को काले झंडे दिखाकर प्रदर्शन करने कर सकते हैं। इसके बाद पुलिस ने करीब दो दर्जन से अधिक लोगों को हाउस अरेस्ट कर लिया। खुफिया विभाग से मिलीं गोपनीय सूचनाओं के आधार पर पुलिस ने सुबह से ही एक्शन शुरू कर दिया था। पुलिस ने कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर और महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकदम को उनके आवास में ही नजरबंद कर दिया है। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ता अनाम धन्य तिवारी, रालोद नेता गौरव

चतुर्वेदी और बबल नाथ चतुर्वेदी तथा वृंदावन में युवा सपा नेता अंकित वार्ष्णेय को भी पुलिस ने नजरबंद कर दिया। आश्चर्य की बात यह है कि इस बार राजनीतिज्ञों के साथ-साथ बांकेबिहारी जी मंदिर के कुछ गोस्वामियों को भी पुलिस ने उनके घरों में नजरबंद कर दिया, जिससे कि वह मुख्यमंत्री के सामने किसी प्रकार का विरोध प्रदर्शन न कर सकें। इसी के साथ महानगर के लोगों में इस बात की चचाएं होती रहीं कि नजरबंद किए गए लोगों में से कई ऐसे हैं जो मुख्यमंत्री को यमुना शुद्धिकरण के मुद्दे पर ज्ञापन सौंपने की तैयारी में थे। इसी कारण से मुख्यमंत्री की सुरक्षा-व्यवस्था में कोई कमी न रह जाए, इसके लिए वृंदावन और मथुरा कोतवाली में भी कई लोगों को एहतियातन बिठाया गया था। वृंदावन से वापस आने के बाद मुख्यमंत्री योगी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि पहुंचे और वहां योगीराज भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करके पूजा-अर्चना की। दूसरी ओर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम ने पुलिस की इस कार्रवाई पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस-प्रशासन ने लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया है।

उन्होंने कहा कि क्या जनता की समस्याएं मुख्यमंत्री को बताना अपराध हो गया है। कहा कि क्या वह केवल भाजपाईयों के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नजरबंदी से मां यमुना की शुद्धीकरण का संघर्ष रूकने वाला नहीं है।

ब्रज नर्सिंग होम में प्रसूता और नवजात की मौत : आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में काटा हंगामा -पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाली स्थिति

मथुरा(जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित ब्रज नर्सिंग होम में प्रसूता और नवजात की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। अस्पताल में हंगामे की सूचना मिलते ही इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई और लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया। जानकारी के अनुसार गांव पाडल थाना गोवर्धन निवासी 32 वर्षीय दीपा पत्नी खेमचंद्र को शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे प्रसव पीड़ा हुई थी। इसके बाद परिजनों ने उसे बागबहादुर पुलिस चौकी के पास ब्रज नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि सुबह से शाम तक चिकित्सक, उन्हें सामान्य डिलीवरी बताते रहे। किंतु इसके बाद शाम करीब 6:30 बजे अचानक प्रसूता और नवजात की मौत हो गई। प्रसूता और नवजात की मौत होने की जानकारी होते ही अस्पताल में मौजूद परिजन आक्रोशित हो गए और चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करना शुरू कर दिया। इसके बाद करीब एक घंटे तक अस्पताल परिसर में हंगामा होता रहा। बताते हैं कि विवाहिता दीपा की यह तीसरी डिलीवरी थी। इससे पहले उसके दो बच्चे सामान्य प्रसव से हुए थे। प्रसूता और नवजात की मौत होने के बाद पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतका का पति खेमचंद्र मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करता है। वहीं प्रसूता की मौत के बाद दो छोटे-छोटे बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है। दूसरी ओर अस्पताल संचालक डा. अवधेश अग्रवाल ने बताया कि गर्भवती महिला को परिजन पहले गोवर्धन के एक निजी अस्पताल में लेकर गए थे, जहां नवजात की पहले ही मौत हो चुकी थी। इसके बाद में महिला को गंभीर स्थिति में यहां लेकर आए थे। बताया कि अस्पताल में सुबह से उसका उपचार किया जा रहा था और परिजनों को स्थिति की जानकारी भी दी जाती रही लेकिन दुर्भाग्यवश महिला को भी नहीं बचाया जा सका। घटना की सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई और हंगामा कर रहे लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पीड़ित परिजनों की शिकायत पर पुलिस जांच करने में जुटी हुई है।

संस्कारों की मशाल लेकर वैचारिक क्रांति की राह पर डा. अर्चना प्रिय आर्य

मथुरा(जीएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज हम एक ऐसी शख्सियत की चर्चा कर रहे हैं, जिन्होंने आधुनिकता की चकाचौंध के बीच समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का बीड़ा उठाया है। मथुरा की ताराधाम कॉलोनी निवासी डा. अर्चना प्रिय आर्य, आज उन हजारों महिलाओं और युवतियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुकी हैं, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहती हैं। टूटे घरों और कुसंस्कारों ने दी "संस्कार जागृति" को प्रेरणा। डा. अर्चना के इस सफर की शुरूआत एक गहरी टीस के साथ हुई। समाज में बढ़ते कुसंस्कारों के कारण बिखरते परिवार, नशे की गिरफ्त में फंसता बचपन और अपनों से दूर होते बुजुर्गों की पीड़ा ने उन्हें झकझोर कर रख दिया। उन्होंने महसूस किया कि इन सभी समस्याओं का जड़ से समाधान केवल "संस्कारों की पुनस्थापना" ही है। इसी संकल्प के साथ उन्होंने "संस्कार जागृति मिशन" की स्थापना की और सनातन वैदिक संस्कृति को घर-घर पहुंचाने के अभियान में जुट गईं।10 वर्ष की आयु से शुरू हुआ "वैदिक मिशन"। संस्कारों के प्रति यह प्रेम डा. अर्चना को विरासत में मिला। वह बताती हैं कि करीब 28 वर्ष पूर्व उनके पैतृक गांव ऊंचागांव में आर्य समाज का एक कार्यक्रम हुआ था। वहां आए विद्वानों की ओजस्वी वाणी ने उनके बाल मन पर गहरा प्रभाव डाला।

इसके बाद अपने पिता आचार्य सत्यप्रिय आर्य और माता सरोज रानी आर्य के मार्गदर्शन में मात्र 10 वर्ष की आयु से ही उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती की विचारधारा और वैदिक संस्कृति का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया था। तीन वर्षों का गहन शोध और "वैचारिक क्रांति"। डा. अर्चना ने केवल भावनात्मक स्तर पर नहीं, बल्कि बौद्धिक स्तर पर भी इस अभियान को पुख्ता किया। उन्होंने तीन वर्षों तक संस्कारों के महत्व और उनके सामाजिक प्रभावों पर गहन शोध किया। आज जब वह मंच से अपनी ओजस्वी वाणी में भाषण शुरू करती हैं, तो श्रोता न केवल मंत्रमुग्ध हो जाते हैं, बल्कि अपने परिवारों में पुनः वैदिक संस्कारों को अपनाने का संकल्प भी लेते हैं। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी सफलता का झंडा बुलंद किया है। जन-जागरण के इस कठिन मार्ग पर चलते हुए डा. अर्चना ने अपनी शिक्षा से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने देवभाषा संस्कृत में स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उत्तर प्रदेश असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में पूरे प्रदेश में 5-वां स्थान हांसिल कर अपनी मेधा का परिचय दिया। वर्तमान में वह मेरठ के प्रतिष्ठित कनोहर लाल स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में प्रोफेसर एवं संस्कृत विभाग की अध्यक्षा के रूप में कार्यरत हैं। एक सशक्त संदेश। डा. अर्चना प्रिय आर्य का मानना है कि संस्कारों के अभाव में कोई भी समाज प्रगति नहीं कर सकता। उनकी इस मुहिम का असर है कि आज बड़ी संख्या में युवतियां उनके साथ जुड़कर जन-जागरण के कार्य को आगे बढ़ा रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उनका जीवन यह संदेश देता है कि एक दृढ़ निश्चयी महिला न केवल अपना भविष्य संवार सकती हैं, बल्कि पूरे समाज की दिशा बदल सकती हैं।

एसएमसोत्सव-26 की आखिरी शाम में परमीश वर्मा और पैंथर की धमाकेदार प्रस्तुतियों से गूंजा मंच

एसएमएस लखनऊ के वार्षिक एसएमसोत्सव-26 में ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुतियों छात्रों की उत्साही भागीदारी और अविस्मरणीय संगीत संध्या ने पूरे परिसर को उत्साह और उमंग से सराबोर कर दिया।

लखनऊ। आयोजन की शुरूआत एमटीवी हसल फेम रैप सनसनी पैथर के धमाकेदार परफॉर्मेंस से हुई। अपनी तीखी और प्रभावशाली रैप शैली तथा दमदार मंच प्रस्तुति के लिए प्रसिद्ध पैंथर ने आते ही माहौल को जोश से भर दिया। उनके लोकप्रिय गीत यू.पी. से और योगा सॉग पर छात्रों ने जमकर तालियां बजाईं और साथ-साथ गुनगुनाया। पूरे परिसर में ऊर्जा की लहर दौड़ गई, जिसने आगे होने वाली संगीतमय शाम के लिए शानदार माहौल तैयार कर दिया।इसके बाद दर्शकों ने पंजाबी संगीत जगत के प्रसिद्ध गायक परमीश वर्मा का जोरदार स्वागत किया।

परमीश वर्मा ने अपने सुपरहिट गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। गल नीं करनी, ले चक मैं आ गया] जैसे लोकप्रिय गीतों पर छात्र पूरे उत्साह के साथ नाचते और गाते नजर आए।

यह संगीतमय आयोजन युवाओं के उत्साह, एकता और उमंग का भव्य उत्सव बन गया।दोनों कलाकारों ने इस यादगार संध्या के आयोजन के लिए श्री शरद सिंह, सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा श्री यश सेंगर का आभार व्यक्त किया और आयोजन की सराहना की।हजारों की संख्या में उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और अतिथियों ने इस शाम को ऐतिहासिक बना दिया। मोबाइल फ्लैशलाइट्स की रोशनी और संगीत की धुनों के बीच पूरा मैदान जगमगा उठा, जिसने एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत किया।आयोजन समिति ने कलाकारों, प्रायोजकों, संकाय समन्वयकों और छात्रों का हृदय से धन्यवाद किया, जिनके सहयोग और समर्पण से एसएमसोत्सव-26 सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। ट

ाह महोत्सव एसएमएस लखनऊ की एकता, रचनात्मकता और युवा ऊर्जा का प्रतीक बनकर उभरा।गगनभेदी तालियों और सुनहरी यादों के साथ एसएमसोत्सव-26 का समापन हुआ, और सभी को अब अगले वर्ष के और भी भव्य आयोजन का बेसब्री से इंतजार है।

युवक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

कौशांबी,(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश कौशाम्बी जनपद के कौशांबी थाना क्षेत्र उराई गाव से एक दुखद और चौकाने वाला घटना समने आया है शाम लगभग 6 बजे यहाँ सूत्रों से मिली जनकारी के अनुसार अपनी पत्नी से आहत यूवक ने फासी लगा कर आत्महत्या कर ली घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया मौके पर भरी पुलिस बल जांच में जूटी।

समदा भांग की दुकान में वेखौफ बिक रहा है गांजा। नवयुवक हो रहे हैं इस नशे में गिरफ्त।

कौशांबी । जनपद के मुख्यालय में समदा से होकर करीब जिले के सभी अधिकारी गुजरते हैं। लेकिन इस ओर किसी भी अधिकारी का दिमाग नहीं जाता कि यह मुख्यालय का मुख्य मार्ग है जिसमें रातों दिन आना जाना लगा रहता है इसी भांग की दुकान पर बेखौफ गांजा बेचा जाता है और भोले भाले लोग इसकी गिरफ्त में आकर अपने घर को नर्क बनाने में लगे हैं क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि अगर इस भांग की दुकान में गांजा न बेचा जाए तो क्षेत्रीय नव युवको को बचाया जा सकता है। इधर ठेकेदार की जेब तो अच्छी तरह से गर्म हो रही है लेकिन क्षेत्रीय लोगों की घर की स्थिति डामाडोल होती जा रही है क्योंकि गांजे के चक्कर में पैसा नहीं मिला नवयुवकों को तो वह घर में मारपीट कर घर की अच्छी खासी स्थिति को नर्क बना देते हैं।

यहां तक की चौकी कादीपुर कोतवाली मंझनपुर ना आबकारी अधिकारियों की नजर, क्यों नहीं पड़ती है, इसी तरह यह कार्य चलता रहा तो क्षेत्रीय नवयुवकों को कोई नहीं बचा सकता है इस नशे की गिरफ्त से आबकारी विभाग इस ओर ध्यान देकर इस भांग की दुकान में जो गांजा बेचा जा रहा है उसे पर कार्यवाही करें।

आईएएस बना डीएवी रिंहदनगर का पूर्व छात्र सौरभ गुप्ता।

(एजेंसी)।

बीजपुर (सोनभद्र)। डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी, रिहंदनगर का पूर्व छात्र सौरभ गुप्ता देश की सर्वाधिक प्रतिष्ठित परीक्षा यूपीएससी 2026 को क्रैक कर इतिहास में अपना नाम दर्ज कर दिया है। आज पूरा विद्यालय परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। सौरभ गुप्ता ने 783 रैंक हासिल कर न केवल विद्यालय का नाम रोशन किया है। बल्कि अपने माता-पिता के साथ साथ पूरे क्षेत्र को गर्व से भर दिया है। यह सफलता सौरभ गुप्ता के कठिन परिश्रम, संकल्प तथा विद्यालय द्वारा दिए गए संस्कार का परिणाम है। सौरभ के पिताजी रामजी गुप्ता दवा व्यवसायी के साथ-साथ प्रसिद्ध समाजसेवी के रूप में जाने जाते हैं। उनकी मां गिरिजा देवी कुशल गृहणी है। सौरभ के बड़े भाई आशुतोष और शुभम दवा व्यवसाय के क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे हैं।

बताया कि सौरभ ने प्रथम प्रयास में ही आईआईटी एडवांस पास कर आईआईटी पटना से इंजीनियरिंग करने के उपरांत 'एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड' में जेई एटीसी के पद पर तैनात हैं। सौरभ बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि का रहा है। दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में सौरभ ने विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। प्राचार्य राजकुमार ने सामाजिक विज्ञान के शिक्षक अनन्त मोहन ने बताया कि सौरभ को प्रशासनिक सेवा के माध्यम से देश और समाज के लिए कुछ विशेष करने की चाहत बचपन से रही है। उन्होंने बताया कि सौरभ ने साबित कर दिया कि डीएवी स्कूल संस्कार युक्त उच्च कोटि की शिक्षा देने वाली संस्था है। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ आर के झा, विजय तिवारी, डॉ राजेश कुमार श्रीवास्तव, डी सी शुक्ला, एस पी तिवारी, सौरभ श्रीवास्तव के साथ सभी शिक्षकों ने सौरभ गुप्ता को ढेर सारी बधाइयां एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि सौरभ प्रशासनिक सेवा में जाकर देश, समाज और मानवता के लिए उत्कृष्ट कार्य करेगा।

प्राचार्य राजकुमार ने सौरभ को बधाई एवं आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

मा. उप मुख्यमंत्री जी ने सरस मेला व सरस महोत्सव कार्यक्रम का किया उद्घाटन

जनपद के प्रत्येक स्वयं सहायता समूह से कोई न कोई उत्पाद तैयार करने का किया आवाहन

प्रदेश में स्वयं सहायता समूह की एक करोड दीदियों को लखपति दीदी बनाने का कार्य किया जाएगा-मा. उप मुख्यमंत्री जी

प्रदेश के मा.उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने आज बाबू सिंह डिग्री कॉलेज मैदान, सयारा में आयोजित सरस मेला व सरस महोत्सव कार्यक्रम का फीता काटकर/दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ/उद्घाटन किया।

मा.उप मुख्यमंत्री जी ने स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प, खाद्य उत्पाद, कपड़े एवं अन्य घरेलू उत्पादों की लगाई गई स्टालों का अवलोकन करते हुए, उनका उत्साहवर्धन किया तथा महिलाओं की गोद-भराई एवं बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया।

मा.उप मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं में बहुत प्रतिभा है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की दीदियों को अपना-अपना उत्कृष्ट उत्पाद तैयार करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सरकार द्वारा पूर्ण सहयोग उपलब्ध कराई जा रहीं है। उन्होंने जनपद के प्रत्येक स्वयं सहायता समूह से अपना कोई न कोई उत्पाद तैयार करने का आवाह्न किया। उन्होंने कहा कि आगामी दिनां में जनपद में 10 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के सरस मेला का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कम्पनी बनाने का कार्य किया जाएगा। हजारों की संख्या में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कपड़ा, राशन एवं मसाले की फैक्ट्री चलाने का कार्य किया जाएगा, इसके लिए कार्ययोजना बना लिया गया है। जनपद की समूह की दीदियों को लखपति दीदी बनाना है।

मा. उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री जी ने विकलांगों को दिव्यांगजन का नाम दिया है, यहां पर दिव्यांगता का प्रमाण-पत्र बनाने का कार्य किया जा रहा है। दिव्यांगजनों को अप्रैल माह से रू0-1500 पेंशन के रूप में दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि किसानां के खाते में हस्तान्तरित होने के बावजूद भी, उन्हें पता नहीं हो पाता है कि राशि खाते में आ गई है, इस सम्बन्ध में अधिकारियों को इसका सत्यापन कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वरासत आदि दर्ज कराकर पात्र किसानों को सम्मान निधि से लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत निराश्रित महिलाओं को आवास की सुविधा से लाभान्वित किया जा रहा है।

मा. उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मा. प्रधानमंत्री जी ने देश में.स्वयं सहायता समूह की 06 करोड दीदियों को लखपति दीदी बनाने की घोषणा की है। प्रदेश में स्वयं सहायता समूह की एक करोड दीदियों को लखपति दीदी बनाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद कौशाम्बी में लगभग 01 लाख 54 हजार दीदियां स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 03 करोड़ दीदियां को स्वयं सहायता समूह से जोड़कर, उनको आगे बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की दीदियां से कहा कि आप लोग खाने का कोई भी सामान बनाना चाह रहीं है, तो खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एक करोड़ की यूनिट लगाने पर 35 प्रतिशत अर्थात 35 लाख सब्सिडी देने का कार्य किया जा रहा है तथा इसमें सोलर लाईट लगाने का भी कार्य किया जा रहा है।

मा. उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त-दुरूस्त है। गुण्डे व अपराधियों के विरूद्ध कठोर से कठोर कार्यवाही की जा रहीं है। आगामी 06 माह के अन्दर स्वयं सहायता समूह की शक्ति को बढ़ाकर तीन गुना किया जाएगा। समूह में और महिलाओं को जोड़ा जाएगा। समूह की दीदियों के लिए डेयरी एवं मसाले की फैक्ट्री बनाने का कार्य किया जाएगा। समूह के गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की मार्केटिंग एवं ब्राण्डिंग करके विश्व के देशों में बिक्री की व्यवस्था कराने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद कौशाम्बी में 11863 समूह का गठन किया गया है, जिसमें 01 लाख 30 हजार 493 दीदियां जुड़ी हुई हैं। इन समूहों में से 6155 समूहों को रिवाल्विंग फण्ड के रूप में 18 करोड़ 46 लाख रुपए दिया गया है। 5021 समूहों को सामुदायिक निवेश निधि के रूप में 75 करोड़ 31 लाख 50 हजार रुपए दिया गया है। उन्होंने कहा कि जनपद में 10864 दीदियां लखपति बन चुकी है तथा 01 लाख दीदियों को लखपति दीदी बनाने का कार्य करना है। स्वयं सहायता समूह की दीदियों का कौशल विकास किया जा रहा है। सरकार ने गरीबों को अमीर बनाने की योजना बना लिया है। मा. प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2047 तक देश, प्रदेश एवं परिवार को विकसित बनाने का संकल्प लिया है।

कार्यक्रम में मा. उप मुख्यमंत्री जी ने स्वयं सहायता समूह की दीदियों के साथ पुष्पवर्षा कर फूलों की होली खेली तथा उन्हें होली की शुभकामनाए दी। इस अवसर पर कार्यक्रम स्थल का वातावरण रंग, उमंग और उत्साह से सराबोर हो गया।

कार्यक्रम में ग्राम मिजार्पुर जवई की निवासिनी स्वयं सहायता समूह की दीदी सरिता ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह से जुड़कर, उन्होंने ई-रिक्शा खरीदा व उसे चलाती है तथा दूसरे को प्रशिक्षण देने का कार्य भी करती है। इससे उनकी आर्थिक स्थिति में बहुत सुधार हुआ है।

इस अवसर पर मा विधायक चायल पूजा पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग प्रतिभा कुशवाहा, सदस्य उ.प्र. अनुसूचित जाति/जनजाति आयोग जितेन्द्र कुमार, जनपद के प्रभारी अवधेश गुप्ता, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी व भरवारी कविता पासी, अध्यक्ष नगर पंचायत सिराथू भोला यादव व अजुहा शान्ती देवी, निवर्तमान विधायकगण-लाल बहादुर, शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल व संजय गुप्ता एवं शिवमोहन मौर्य, चन्द्रदत्त शुक्ला, भोले शंकर, नीतू कनौजिया, ज्योति केसरवानी सहित अन्य गणतान्य व्यक्ति तथा जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार व मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मोटोरोला ने मिड-प्रीमियम सेगमेंट में उतारा स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 फ्यूजन

डिवाइस 12 मार्च दोपहर 12 बजे से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और देश के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर ओपन सेल के लिए होगा उपलब्ध

लखनऊ । मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड मोटोरोला ने आज मिड-प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में मोटोरोला एज 70 फ्यूजन लॉन्च किया। इस डिवाइस में कैमरा में महत्वपूर्ण इनोवेशन, शानदार विजुअल्स और नेक्स्ट-जेन ऑन-डिवाइस एआई को पेश किया

गया है। लांच के साथ ही इसे आज छह मार्च को दोपहर 12 बजे शाम चार बजे तक फ्लिपकार्ट पर अर्ली बर्ड सेल पर उपलब्ध कराया गया जबकि आगामी 12 मार्च से फ्लिपकार्ट, मोटोरोला डॉट इन और देश के प्रमुख रिटेल स्टोर्स पर ओपन सेल के लिए उपलब्ध होगा। यह दुनिया का पहला 50एमपी सोनी-एलवाईटी 710 कैमरा मोटो एआई के साथ लाता है, जो बेहतरीन लो-लाइटक्लैरिटी, बिना ब्लर के शॉट्स, 100 प्रतिशत ट्रू कलर्स और पैंटोन द्वार ावैलिडेटेड स्किन टोन्स, साथ ही सभी लेंस पर 4के वीडियो रिकॉर्डिंग देता है। इसमें ऑल-न्यू डिजाइन के साथ ही पैंटोन क्यूरेटेड कलर्स में लग्जरी फैब्रिक फिनिश, भारत का एकमात्र 144 हट्र्स 1.5के ट्रू कलर' क्वाड-कर्व्ड पैंटोन वैलिडेटेड डिस्प्ले दिया गया है। 7000एमएएच सिलिकॉन-कार्बन बैटरी, 68 वॉट टर्बो पावर चार्जिंग, स्नैप ड्रैगन 7एच जेन 4 पावर और आईपी 68 प्लस आईपी 69 तथा एमआईएल - 810 एच ड्यूरेबिलिटी के साथ, मोटोरोला एज 70 फ्यूजन सेगमेंट में स्मार्टफोन का शानदार अनुभव देता है।

मोटोरोला एज 70 फ्यूजन ने इमेजिंग में नया बेंचमार्क सेट किया है दुनिया का पहला 50एमपी सोनी लिटिया 710 कैमरा मोटो एआई से पावर्ड है। ओआईएस और एडवांस्ड/1.8 अपर्चर के साथ नया लिटिया 710 सेंसर असाधारण क्लैरिटी, बेहतर सिग्नल-टू-नॉइज परफॉर्मेंस और लो-लाइट में शानदार रिजल्ट्स देता है। ब्राइटर हाइलाइट्स और डीपर शैडोज के साथ मोटो एआई रियल-टाइम में टेक्सचर्स, डायनामिक रेंज और मोशन डिटेक्शन को बेहतर बनाता है, जिससे तेज मूविंग सीन में भी क्रस्प, बिना ब्लर के कैप्चर्स मिलते हैं। पैंटोन वैलिडेटेड कलर्स और पैंटोन स्किनटोन वैलिडेशन के साथ कैमरा क्रिएटर्स की इच्छा मुताबिक सटीक, ट्रू-टू-लाइफ कलर्स और नैचुरल स्किन टोन्स को बिल्कुल वैसा ही रिप्रोड्यूस करता है।

लॉन्च के बारे में मोटोरोला इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर टी.एम. नरसिम्हन ने कहा, 'मोटोरोला में हम लगातार पारंपरिक सीमाओं को चुनौती देते हुए उद्देश्यपूर्ण इनोवेशन को आज के उपभोक्ताओं के जीने, क्रिएट करने और जुड़ने के तरीके की गहरी समझ के साथ जोड़ते हैं। मोटोरोला एज 70 फ्यूजन के साथ हमने असाधारण कैमरा परफॉर्मेंस, डिजाइन एक्सीलेंस, इंटेलिजेंट एक्सपीरियंस और अल्ट्रा-

स्कूल में शिक्षिका द्वारा छात्राओं से 'बेलन मसाज' कराने का वीडियो वायरल

कौशांबी , चित्रकूट। जिले के नया बाजार स्थित एक प्राथमिक विद्यालय से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में शिक्षिका मधु कुमारी छात्राओं से कथित तौर पर बेलन से मसाज कराती हुई दिखाई दे रही हैं।

बताया जा रहा है कि यह घटना स्कूल परिसर के अंदर की है, जहां किसी व्यक्ति ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद जांच की मांग तेज हो गई है।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा शोक सभा का आयोजन

(एजेंसी)।

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा एक शोक सभा का आयोजन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में किया गया जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश कुमार यादव के पिता के आकस्मिक मृत्यु पर दो मिनट का मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के वरिष्ठ अधिवक्ता डॉक्टर रियाजुद्दीन खान ने कहा कि डी बी ए की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार यादव के पिता के निधन पर गहरा

शोक व्यक्त किया जाता है। इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता हरि प्रसाद यादव ने कहा आज हम यहाँ एक महान आत्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए इकट्ठे हुए हैं, जिन्होंने अधिवक्ता राजेश यादव के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी मृत्यु एक अपूरणीय क्षति है, लेकिन उनकी यादें और आदर्श हमेशा हमारे साथ रहेंगे। शोक सभा में प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, चंद्र प्रकाश सिंह, बीपी सिंह, सुरेश कुशवाहा, अशोक कनौजिया, शैलेंद्र कुमार, संतोष यादव, रविंद्र पटेल, प्रीति सिंह, राम गुल्ली, राकेश सिंह पटेल, गोबिंद, शाहनवाज आलम खान आदि लोग उपस्थिति रहे।

मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट की ओर से 'महदवी समाज क्लासेस' का सिलसिला जारी

(एजेंसी)।

लखनऊ के 18 से अधिक स्थानों पर कक्षाओं का आयोजन; 1800 से अधिक छात्र 'उलूम-ए-अहले बैत (अ.स.)' से लाभान्वित

लखनऊ (विशेष प्रतिनिधि): अदब के शहर लखनऊ में मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट के तत्वावधान में "महदवी समाज क्लासेस" का सिलसिला अत्यंत सफलतापूर्वक और बड़े पैमाने पर जारी है। इन कक्षाओं का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को सुदृढ़ धार्मिक विश्वासों (अकायद), नैतिकता और 'मारिफ-ए-महदवियत' से परिचित कराना है।

लखनऊ के कोने-कोने में ज्ञान की रोशनी: ट्रस्ट के प्रबंधकों के अनुसार, यह शैक्षिक कार्यक्रम लखनऊ शहर के 18 से अधिक विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे हैं। इन कक्षाओं की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि वर्तमान में 1800 से अधिक छात्र-छात्राएं इन केंद्रों में 'उलूम-ए-अहले बैत अतहार

(अ.स.)' से ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं। ट्रस्ट का यह ईमानदार प्रयास है कि ज्ञान का प्रकाश हर मोहल्ले और हर घर तक पहुँचाया जाए।

मौलाना गुलाम मेहदी गुलरेज साहब का प्रेरक संदेश: इन कक्षाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रसिद्ध धार्मिक विद्वान मौलाना गुलाम मेहदी गुलरेज साहब ने अपने संदेश में कहा:

"महदवियत केवल एक अकीदा (विश्वास) नहीं है, बल्कि यह 'ईमान की ताजगी' का नाम है।" उन्होंने आगे कहा कि अहले बैत (अ.स.) के ज्ञान से जुड़ाव ही वह एकमात्र मार्ग है जो मनुष्य को दुनिया और आखिरत (परलोक) में सफल बना सकता है। मौलाना ने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान दौर के फितनों (बुराइयों) से बचने के लिए यह आवश्यक है कि हमारे युवा अपने वास्तविक केंद्र और 'तालिमात-ए-मासूमीन (अ.स.)' से जुड़े रहें।

चरित्र निर्माण और भविष्य की तैयारी:

मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट की देखरेख में इन कक्षाओं में न केवल धार्मिक इतिहास और विश्वास पढ़ाए जा रहे हैं, बल्कि बच्चों के नैतिक प्रशिक्षण और चरित्र निर्माण (उँ१ूँ३ी१ इ४ं्ल्लिॅ) पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। ट्रस्ट के अधिकारियों का कहना है कि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि कौम अपने धर्म और विरासत से प्रेम करती है।

जनता के बीच सराहना:

लखनऊ के सामाजिक और शैक्षिक हलकों ने मरकज-ए-तालीम-ओ-तर्बियत ट्रस्ट के इस बेमिसाल प्रयास की सराहना करते हुए इसे शहर के शैक्षिक परिदृश्य में एक 'क्रांति' करार दिया है। अभिभावकों का कहना है कि 18 स्थानों पर इन कक्षाओं की उपलब्धता ने बच्चों के लिए ज्ञान प्राप्त करना अत्यंत सरल बना दिया है।

बैठक में आरटीओ अयोध्या ने ट्रांसपोटर्स को नियमानुसार संचालन और प्रपत्र वैध रखने के दिये निर्देश

लंबी दूरी की गाड़ियों में रखें 02 ड्राइवर नई कर व्यवस्था की दी जानकारी

अयोध्या , मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश में दुर्घटनाओं में कमी लाने के निदेर्शों एवं शासन व परिवहन आयुक्त महोदया द्वारा राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति, बकाया कर वसूली, सभी व्यावसायिक वाहनों विशेषकर बसों के नियमानुसार संचालन के संबंध में आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह द्वारा आज दिनांक 07.03.2026 को आरटीओ कार्यालय अयोध्या में विभिन्न ट्रांसपोटर्स, डीलर्स, वाहन स्वामियों के साथ एक बैठक की गयी जिसमें सभी को शासन द्वारा दिये गये दिशा-निदेर्शों के बारे में बताया गया व बकाया कर जमा करने, और वाहन के सभी प्रपत्र यथा- परमिट, परमिट अथराइजेशन, पंजीयन, बीमा, फिटनेस, अतिरिक्त कर, पीयूसी, आदि वैध कराने को कहा गया। वाहन स्वामी अपना कर घर बैठे https://parivahangov.in/ पर जा कर आन- लाइन माध्यम से कर जमा कर सकते हैं। आरटीओ द्वारा सभी को आयुक्त महोदय की अध्यक्षता में आरटीए अयोध्या द्वारा पूर्व में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णयों की विस्तार से जानकारी दी गयी। लंबी दूरी के गाड़ियों में अनिवार्य रूप से 02 ड्राइवर रखें जाय, काम के घण्टे निर्धारित किये जाय क्योंकि नींद व थकान में गाड़ी चलाने से दुर्घटनाएँ अधिक होती हैं। बसों में एआईएस-052, स्लीपर बसों में एआईएस-119 व स्कूल बसों यानों में निर्धारित मानको का सख्ती से अनुपालन किया जाय। 12 मीटर तक की बस में 04 इमरजेंसी दरवाजे, 12 मीटर से अधिक की स्थिति में 05 इमरजेंसी दरवाजे होने चाहिए, ड्राइवर सीट के पीछे अतिरिक्त लोहे का केबिन, स्लीपर सीटों पर शटर, इमरजेंसी द्वार के आगे या यान में अतिरिक्त सीटें स्लीपर लगवाना न सिर्फ नियमों के खिलाफ हैं वरन ऐसे वाहन स्वामी यात्रियों के जान के साथ खिलवाड़ करने के भी दोषी हैं जिस के विरूद्ध लगातार प्रवर्तन अधिकारी चेकिंग अभियान भी चला रहें हैं। अतः सभी वाहन स्वामियों को अपनी जिम्मेदारी समझकर तत्काल मूल ढाँचे से इतर ऐसे समस्त परिवर्तन तत्काल हटा लेने की अपेक्षा की जाती है। मण्डल के सभी एआरटीओ व आरआई को भी निर्देशित किया गया है कि मानक विरूद्ध वाहनों के पंजीयन और फिटनेस निरस्त/निलंबित किये जाय व अनफिट कर बकाया वाहनों को नोटिस जारी किये जाय, आरसी का जिला प्रशासन के साथ अनुश्रवण किया जाय। कमर्शिएल लाइसेंस हेतु ड्राइविंग स्कूल द्वारा ली जानी वाली अनुमन्य फीस की जानकारी दी गयी और अनाधिकृत व्यक्तियों के चंगुल में ना फंसनें की हिदायत भी दी गयी व सभी चालक सड़क सुरक्षा नियम पालन करें। व्यावसायिक वाहन में सभी वाहन स्वामी व चालक का नाम, मोबाइल नंबर व आधार नंबर अंकित करायें, बसों में पैनिक बटन होने चाहिए व अनिवार्य रूप से एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने व स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होना सुनिश्चित करें। संभागीय निरीक्षक द्वारा गैंगवे की चौड़ाई व अन्य तकनीकी मानकों के बारें में विस्तार से बताया।

आरटीओ प्रशासन की अध्यक्षता में हुई बैठक में आरआई श्री राजीव कुमार, ट्रांसपोटर्स श्री रविन्द्र यादव, श्री सतीश वर्मा, परिवहन निगम के प्रतिनिधि व कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कशिश मीडिया के रोजा इफ्तार ने दिया भाईचारे और सामाजिक सौहार्द का संदेश

प्रयागराज। कशिश मीडिया द्वारा आयोजित विशाल रोजा इफ्तार कार्यक्रम में शहर के विभिन्न वर्गों से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियों की उल्लेखनीय सहभागिता देखने को मिली। इस अवसर पर चिकित्सा जगत से जुड़े वरिष्ठ डॉक्टर, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिक प्रतिनिधि तथा मीडिया जगत के अनुभवी पत्रकारों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

कार्यक्रम का उद्देश्य रमजान के पाक महीने में आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक एकता के संदेश को मजबूत करना रहा। इफ्तार के दौरान सभी अतिथियों ने एक-दूसरे को रमजान की मुबारकबाद दी और अमन-चैन, आपसी प्रेम व सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

कशिश मीडिया के आयोजकों ने आए हुए सभी मेहमानों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाने और सकारात्मक संवाद को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। उपस्थित अतिथियों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया।ङ्घकि रमजान का महीना केवल इबादत और संयम का ही नहीं,

बल्कि आपसी भाईचारे, मोहब्बत और सामाजिक एकता को मजबूत करने का पैगाम देता है। कशिश मीडिया का प्रयास है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से समाज के हर वर्ग को एक साथ जोड़ते हुए आपसी सद्भाव और सकारात्मक सोच को बढ़ावा दिया जाए। कशिश मीडिया के संपादक मोहम्मद जिया सिद्दीकी ने कहा कि आज के समय में मीडिया की जिम्मेदारी केवल खबरें देना ही नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाली पहलों में सक्रिय भूमिका निभाना भी है। रोजा इफ्तार जैसे आयोजन आपसी दूरियों को कम करते हैं और इंसानियत, प्रेम व सौहार्द का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ, जहां रोजा इफ्तार के साथ-साथ सामाजिक एकता और भाईचारे का सुंदर संदेश भी देखने को मिला। इफ्तार में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार सलमान अहमद, मोहम्मद आमिर, गुलाम नबी वैश, इसरार अहमद,असद कुरेशी, बृजेश केसरवानी,विलास गुप्ता, राजा मंजर, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद हसन सिद्दीकी, मोहम्मद हुसैन सिद्दीकी, अनवर अली,जाकिर अली, रिजवान अहमद, अख्तर, बिलाल, कासिम सहित बड़ी तादाद में लोगों ने इफ्तार में शिरकत की

गजल

जिधर भी देखिये बेचारगी होने लगी ।
हुस्न के दरमियाँ दीवानगी होने लगी ।।
बदनाम तो सारे लोग है हम क्या करें ।
मगर बदनाम मेरी सादगी होने लगी ।।
खुदा जाने हया ओ शर्म कैसे बचेगी ।
खड़ी हर मोड पे आवारगी होने लगी ।।
इक रात को रात कहना जुर्म हो गया ।
सच के नाम से नाराजगी होने लगी ।।
नकाबों घुँघटों का जमाना लद गया ।
ये नई तहजीब में बेपर्दगी होने लगी ।।
हर तरफ पानी का व्यापार चलता है ।
लबों पे तोड़ती दम तिशनगी होने लगी ।।
जब नुक्ताचीनी सब शायर करने लगे ।
शायरी बे दम हुई बन्दगी होने लगी ।।
जात भाषा मजहब की बातें छेड़कर ।
ये लोगों में बेवजह दुश्मनी होने लगी ।।
गौतम कैसे दूर हो अंधेरों का ये दौर ।
जब रौशनी से पैदा तीरगी होने लगी ।।

गौतम मेरठी

मुख्यमंत्री योगी ने सार्वजनिक स्थानों से तत्काल अवैध हटाने के दिए निर्देश : जनपद आगमन पर समीक्षा बैठक में सीएम ने विकास कार्यों को परखा

मथुरा(जीएनएस)। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मथुरा पहुंचने के बारे वृंदावन स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे के क्षेत्रीय कार्यालय सभाकक्ष में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कड़े शब्दों में निर्देश दिए कि सार्वजनिक स्थलों पर अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा ऐसे मामलों में प्रशासन तत्काल सख्त कार्रवाई करना सुनिश्चित करे। इस बीच बैठक में ब्रज क्षेत्र के विकास, तीर्थ स्थलों के सुदृढ़ीकरण तथा आगामी विकास की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निर्धारित समय से के बादल वृंदावन स्थित पवन हंस हेलीपैड पहुंचे, जहां भाजपा की जिला

और महानगर इकाई के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके बादल उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद की कानून-व्यवस्था, स्वच्छता, यातायात प्रणाली और शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का बारीकी से जानकारी ली। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश कि वृंदावन जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल पर आने वाले देश-विदेश के श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखा जाए। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन और स्वच्छता व्यवस्था ऐसी हो कि यहां आने वाले भक्तों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इस दौरान उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजकांत मिश्रा ने जनपद में संचालित विकास योजनाओं की बिंदुवार प्रगति रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। समीक्षा बैठक में प्रमुख रूप से कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह, सांसद हेमामालिनी, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, प्रभारी मंत्री संदीप सिंह, कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, मांट विधायक राजेश चौधरी, बल्देव विधायक पूरन प्रकाश, गोवर्धन विधायक ठा. मेघश्याम सिंह , जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी मथुरा-वृंदावन नगर निगम के महापौर विनोद अग्रवाल आदि मौजूद रहे। बैठक में शासन और प्रशासन के वरिष्ठ पुलिस-प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्हें मुख्यमंत्री ने जनहित के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के आगमन की

जतीपुरा कदमखंडी आश्रम के महंत बने चैतन्य कृष्ण दास : भक्ति और सेवा के संकल्प को बढ़ांएगे आगे : चैतन्य कृष्ण दास

मथुरा(जीएनएस)। गोवर्धन में प्रभु गिरिराज महाराज की तलहटी जतीपुरा स्थित कदमखंडी आश्रम में आयोजित महंताई समारोह में चैतन्य कृष्ण दास परिक्रमा वाले बाबा को आश्रम का नया महंत बनाया है। कदमखंडी आश्रम के नए महंत का स्वागत मुख्य अतिथि श्रीपाद रघुनाथ दास गोस्वामी, गद्दी के पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज और विधायक ठा. मेघश्याम सिंह ने किया। महंत केशव दास ने बताया कि गौड़ीय वैष्णव विरक्त परंपरा में प्राचीन समय से ही कदमबखंडी आश्रम में बृजवासियों से माधुकरी कर साधुसंतो ने भजन ध्यान किया है। अब भक्ति एवं सेवा की भावना को नए महंत

जतीपुरा में कदम खंडी आश्रम के महंत चैतन्य कृष्ण दास का स्वागत करते हुए विधायक ठा. मेघश्याम सिंह और पीठाधीश्वर महंत केशव दास महाराज।

चैतन्य कृष्ण दास आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर विधायक ठा. मेघश्याम सिंह ने कहा कि महंत बने चैतन्य कृष्ण दास परिक्रमा वाले बाबा बृज की विभूति हैं। उनके अनुसरण में संत, प्रभु गिरिराज जी की तीन और दो परिक्रमा करते हैं। वहीं कदमबखंडी के नए महंत बने चैतन्य कृष्ण दास बाबा ने बताया कि जगदानंद दास के गोलोकवासी होने के बाद आश्रम में सेवा की जिम्मेदारी उन्हें दी है। वह इसे संत सेवा एवं भक्ति की भावना से आगे बढ़ाएंगे। समारोह का संचालन कृष्ण दास महाराज ने किया। इस अवसर पर कृष्ण पद दास, पतित पावन दास, कृपा सिंधुदास, राधे श्याम दास, विजय शास्त्री, श्रीधाम दास, प्रदीप दास, परितोष दास, पूर्व मंडल अध्यक्ष परशुराम सिंह, पंकज ठाकुर, भानु पाराशर, बिहारी दास और वासुदेव दास आदि उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश में इंडिगो को मिली शिक्षा और व्यापार की दोहरी ताकत

- एएमए हर्बल समूह ने किया इंटीग्रल विश्वविद्यालय के साथ एमओयू

- किसानों की आय बढ़ाने और प्रदेश की नई नकदी फसल बनाने की पहल

लखनऊ, 7 मार्च 2026, उत्तर प्रदेश में इंडिगो की खेती को बढ़ावा देने के लिए एएमए हर्बल समूह और लखनऊ स्थित इंटीग्रल विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य इंडिगो को प्रदेश की प्रमुख नकदी फसल के रूप में विकसित करना और किसानों की आय में बढ़ोतरी करना है।

इस समझौते के तहत विश्वविद्यालय इंडिगो की वैज्ञानिक खेती, बेहतर बीज और ट्रेनिंग में

तकनीकी सहयोग देगा। किसानों को सही तरीके से उत्पादन बढ़ाने की जानकारी दी जाएगी। एएमए हर्बल समूह द्वारा फसल की खरीद, बाजार से जोड़ने और आगे की तैयारी की जिम्मेदारी संभाली जाएगी।

कुलपति प्रो. जावेद मुसर्रत, कृषि विभागाध्यक्ष प्रो. सबा सिद्दीकी, जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. वजा-उल-हक, एएमए हर्बल समूह के को-फाउंडर व सीईओ डॉ. यावर अली शाह, उपाध्यक्ष श्री हमजा जैदी और कुलसचिव श्री हारिस सिद्दीकी की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

इस अवसर पर प्रो-वाइस चांसलर डॉ. निदा फातिमा और डॉ. नदीम अख्तर के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। यह पहल प्रदेश में टिकाऊ और लाभकारी खेती की दिशा में नई शुरूआत मानी जा रही है।

डॉ. यावर अली शाह ने कहा, 'एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और इंडस्ट्री अपने-अपने एरिया के माहिर हैं। दोनों का इंटीग्रेशन एक सिनर्जी पैदा करता है। इसमें इंडस्ट्रीज की कमर्शल अप्रोच और इंस्टिट्यूट में पढ़ने वाले बच्चों का बेहतर भविष्य सुनिश्चित होता है। भारत सरकार भी यही चाहती है और इसी सोच के साथ एएमए भी आगे बढ़ रहा है।

महिला दिवस पर कलर्स की प्रमुख अभिनेत्रियाँ बता रही हैं कि उनके लिए सशक्तिकरण का क्या अर्थ है।

प्रियंका चाहर चौधरी, जो कलर्स के सुपरनैचुरल शो 'नागिन' में अनंता का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं 'मैं चार बहनों वाले परिवार में पली-बढ़ी हूँ, इसलिए मजबूती हमारे जीवन का स्वाभाविक तरीका था। हमें हमेशा यह सिखाया गया कि स्वतंत्र होना कोई विकल्प नहीं, बल्कि जरूरी है। मेरे पिता हमेशा कहते थे - 'अगर तुम दुनिया में कदम नहीं रखोगी, तो सीखोगी कैसे?' मैंने देखा है कि महिलाओं पर लगाए गए कई प्रतिबंध उनकी क्षमता से नहीं, बल्कि सोच और परवरिश से आते हैं। मुझे यह अवसर मिलने का सौभाग्य है कि मैं नागिन में सर्प रानी अनंता का रूप लेकर शक्ति का प्रदर्शन कर सकूँ। हमारी संस्कृति में हम अक्सर देवी शक्ति और महादेव की बात करते हैं, और मुझे लगता है कि यह प्रतीकवाद यूँ ही नहीं है। शक्ति और सौम्यता साथ-साथ रह सकती हैं। मेरी इच्छा है कि और महिलाएँ अपनी 'सुपरपावर' पहचानें - चाहे वह कोई हुनर हो, कोई कला हो या कोई जन्मजात गुण। हर महिला को महिला दिवस की शुभकामनाएँ, जो अपनी प्रखर और कोमल दोनों ही पक्षों को अपनाती है।'

मानसी साल्वी, जो कलर्स के शो 'महादेव एंड सन्स' में भानु का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं - 'मुझे अच्छा लगता है कि महिला दिवस लोगों को रुककर यह सोचने पर मजबूर करता है कि महिलाएँ रोजाना किन परिस्थितियों से गुजरती हैं। लेकिन यह ठहराव सिर्फ एक दिन का नहीं होना चाहिए, बल्कि पूरे साल हमारी सोच बदलनी चाहिए। आज मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करता है यह देखना कि महिलाएँ कितनी मजबूती से एक-दूसरे के लिए खड़ी हो रही हैं। उस बहनापे में एक शांत शक्ति है - सीमाएँ तय करने में, 'ना' कहने में और उसके लिए माफी न माँगने में। भानु भी ऐसी ही महिला है। वह अपने विश्वासों पर अडिग रहती है, चाहे हालात कितने भी उलझे क्यों न हों। शो का नाम भले ही महादेव एंड सन्स है, लेकिन असल में कहानी को आगे बढ़ाने वाली और अपनी शक्ति गढ़ने वाली महिलाएँ ही हैं। इस महिला दिवस पर मेरी आशा है कि और महिलाएँ अपनी आवाज पर भरोसा करें, जगह बनाएँ और खुद पर शक करना बंद करें।'

कश्मीरा शाह, कलर्स के शो 'लाफ्टर शेफ़्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट' से, कहती हैं 'मेरे लिए महिला दिवस बड़े-बड़े बयानों से कम और महिलाओं की रोजमर्रा की ताकत को स्वीकारने से ज्यादा जुड़ा है। अब जब मैं दो बच्चों की माँ हूँ, तो मुझे एहसास हुआ है कि उदाहरण देकर नेतृत्व करना कितना महत्वपूर्ण है। मेरे बच्चे हमेशा देखते हैं कि मैं कैसे बोलती हूँ, दबाव को कैसे संभालती हूँ और अपने लिए कैसे खड़ी होती हूँ। मैं चाहती हूँ कि वे मजबूत महिलाओं का सम्मान करें, उनसे डरें नहीं। मैं चाहती हूँ कि वे समझें कि आत्मविश्वास किसी महिला में सामान्य है। मैंने कभी खुद को छोटा करने में विश्वास नहीं किया ताकि हालात दूसरों के लिए आसान हो जाएँ। अगर मेरी राय है, तो मैं कहूँगी। अगर मैं असहमत हूँ, तो मैं व्यक्त करूँगी। महिलाओं को बहुत सालों तक यह सिखाया गया है कि वे 'एडजस्ट' करें, नरम रहें और 'बहुत ज्यादा' न हों। मैं चाहती हूँ कि मेरे बच्चे एक ऐसी महिला देखें जो ईमानदार है, मेहनती है और खुद के प्रति आश्वस्त है। लाफ्टर शेफ़्स पर मैं कोई किरदार नहीं निभाती, मैं बस खुद को दिखाती हूँ - ईमानदार, अभिव्यक्तिपूर्ण, कभी तेज और कभी भावुक। यही असली है। और मुझे लगता है कि महिलाओं के लिए सबसे बड़ा उपहार यही है - अपनी प्रामाणिकता। मैं हर महिला से कहूँगी - दूसरों की सुविधा के लिए खुद को एडिट मत करो। सही लोग आपके साथ रहेंगे। महिला दिवस की शुभकामनाएँ हर उस महिला को जो अपनी राह खोज रही है। आप बिल्कुल ठीक कर रही हैं।'

ऐश्वर्या खरे, जो कलर्स के शो 'डॉ. आरंभि' में शीर्षक भूमिका निभा रही हैं, कहती हैं 'इस महिला दिवस पर मैं भारत की गृहिणियों को दिल से सलाम करना चाहती हूँ - वे महिलाएँ जो घर को रानी की तरह चलाती हैं। उनमें से कई ने डॉ. आरंभि में अपना प्यार डाला है और मैं आभारी हूँ कि इस शो के जरिए ऐसा असर बना सकी। यह बेहद भावुक कर देने वाला है कि महिलाएँ कहानी में दिखाई गई आत्म-त्याग को पहचानती हैं और लाखों दर्शक आरंभि के उठने का समर्थन कर रहे हैं। मुझे सबसे ज्यादा खुशी तब होगी जब महिलाएँ और लड़कियाँ आरंभि की यात्रा से प्रेरणा लें - अपनी पहचान वापस पाने और डॉक्टर बनने के सपने को पूरा करने का साहस। इस महिला दिवस पर मैं हर महिला को याद दिलाना चाहती हूँ - आपके सपनों की कोई एक्सपायरी डेट नहीं होती। अगर कोई सपना अब भी आपको पुकार रहा है, तो उसे सुनना सार्थक है। जरूरत पड़े तो फिर से शुरू कीजिए। खुद को चुनने में अपार शक्ति है। मैं सभी अद्भुत महिलाओं को आने वाले साल के लिए शुभकामनाएँ देती हूँ - आशा से भरा, संतोषजनक और सशक्त।'

दीपिका सिंह, जो कलर्स के शो 'मंगल लक्ष्मी' में मंगल का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं 'इस महिला दिवस पर मैं उन लोगों का धन्यवाद करना चाहती हूँ जो यह मानते हैं कि महिलाओं को सुना जाना चाहिए, बिना उन्हें 'भावुक' या 'नाटकीय' कहकर नजरअंदाज किए। मेरा विश्वास है कि किसी महिला को अपनी ज़िंदगी जीने या अपने सपनों को समाज की अपेक्षाओं के कारण सीमित करने के लिए किसी की अनुमति की जरूरत नहीं होनी चाहिए। महिला कमजोर, आश्रित या द्वितीयक नहीं है, वह मजबूत है, सक्षम है और संभावनाओं से भरी है। महिला सशक्तिकरण का मतलब है - सोचने, चुनने, निर्णय लेने और हासिल करने की स्वतंत्रता, बिना डर और बिना अनुमति। आज महिलाएँ रक्षा बलों में सेवा दे रही हैं, बस और ट्रेन चला रही हैं, डॉक्टर बनकर जान बचा रही हैं, शिक्षक बनकर नई पीढ़ी को गढ़ रही हैं, पायलट बनकर उड़ान भर रही हैं और वैज्ञानिक, इंजीनियर और उद्यमी बनकर नेतृत्व कर रही हैं। प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। समानता का मतलब समान होना नहीं, बल्कि समान सम्मान और समान अवसर है। असली सशक्तिकरण की नींव शिक्षा है, क्योंकि जब महिला अपने अधिकार